CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-316
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

समय ही जीवन है। समय को बरबाद करना अपने जीवन को बर्बाद करने के समान है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, गुरुवार 20 फरवरी 2025

रामलीला मैदान में शुरू हुआ कार्यक्रम

रेखा गुप्ता ने ली सीएम पद की शपथ

आज दिल्ली की नई सीएम रेखा गुप्ता रामलीला मैदान में शपथ ग्रहण की है। कल रात ही भाजपा ने विधायक दल की बैठक के बाद रेखा गुप्त के नाम का ऐलान किया कि वह दिल्ली की अगली सीएम होंगी। रेखा गुप्ता के अलावा 6 कैबिनेट मंत्री ने भी शपथ ग्रहण की है। हजारों लोग रामलीला मैदान में इसके साक्ष्य बने हैं। पीएम मोदी से लेकर अमित शाह तक कई केंद्रीय मंत्री यहां उपस्थित रहे। इसके अलावा कई राज्यों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री भी मौके पर उपस्थित रहे। पीएम मोदी रामलीला मैदान पहुंच चुके हैं। उनके पहुंचते ही जनता में और भाजपा नेताओं में अलग ही जोश जुनून दिखने लगा। मोदी के मंच पर पहुंचते ही मोदी-मोदी के नारे लगने लगे।

भाजपा सांसद रामबीर सिंह बिधूड़ी ने क्या कहा दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण समारोह पर भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा भाजपा नेता रेखा गुप्ता दिल्ली की सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री बनकर उभरेंगी। हम संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे। आयुष्मान भारत योजना को पहली कैबिनेट बैठक में ही दिल्ली में लागू किया जाएगा। आप नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों पर कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण पहुंचे आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण दिल्ली की भावी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए रामलीला मैदान पहुंचे।

कांग्रेस नेता आलका लांबा का बयान कांग्रेस नेता अलका लांबा ने कहा, दिल्ली की नई सीएम रेखा गुप्ता को मेरी शुभकामनाएं। जब उनके नाम की घोषणा हुई तो मैं पुरानी यादों में खो गई। हमारी उनसे हमेशा वैचारिक लड़ाई रही है। दिल्ली में हमारी बेटियों की सुरक्षा मुख्य चिंता है, मुझे उम्मीद है कि वह इस पर काम करेंगी।अगर वह इस दिशा में काम करेंगी तो हम उनका समर्थन करेंगे

भाजपा के कई सीएम पहुंचे रेखा गुप्ता रामलीला मैदान में पहुंच चुकी है। इससे पहले उन्होंने मरघट वाले हनुमान मंदिर में दर्शन किए। रेखा गुप्ता ने बीजेपी के सभी मुख्यमंत्रियों से रामलीला मैदान में मुलाकात की। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केपी मौर्य और ब्रजेश पाठक, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के अलावा राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा भी दिल्ली ष्टरू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पहुंच चुके हैं।

दिल्ली बीजेपी मंत्री मनजिंदर सिंह क्या बोले? दिल्ली के मंत्री के रूप में आज शपथ लेने जा रहे भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, ष्मैं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभारी हूं कि उन्होंने मुझे उस टीम का हिस्सा बनने का मौका दिया जो पीएम मोदी के विजन को लागू करेगी। दिल्ली को साफ पानी, साफ हवा मिलेगी, हम भ्रष्टाचार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे और अरविंद केजरीवाल को अपना ज्यादातर समय जेल में बिताना पड़ेगा।

मोहन यादव ने क्या कहा? इसके अलावा भाजपा ने डिप्टी स्पीकर के नाम का भी ऐलान कर दिया है। मोहन सिंह विष्ट दिल्ली विधानसभा के डिप्टी स्पीकर होंगे। उन्हें ये जिम्मेदारी मिलने के बाद उनका बयान भी सामने आया है। उन्होंने कहा कि मेरे पास 25 साल का अनुभव है। मैं पार्टी की उम्मीदों के मुताबिक सदन चलाने में मदद करूंगा। दिल्ली की महिलाओं ने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाई। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। यह दिल्ली का सबसे अच्छा विधानसभा सत्र होगा।

रेखा गुप्ता दोपहर 12:35 बजे शपथ लेने वाली है। सीएम के लिए नाम ऐलान के बाद उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं रामलीला मैदान में शपथ लूंगी। पीएम मोदी और पार्टी ने मुझे बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, मैं इसे जरूर पूरा करूंगी। उन्होंने आगे कहा कि पीएम सिर्फ महिला सम्मान की बात नहीं करते हैं, बल्कि वह साबित भी करके दिखाते हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री एक महिला को बनाकर पीएम मोदी ने साफ कर दिया है

ट्रेड वॉर से बढ़ी चिंता- ट्रंप की टैरिफ मार से तप रहा गोल्ड, अमेरिका-चीन की लड़ाई में कुछ ही दिनों में तोड़ सकता है पिछले सभी रिकॉर्ड

कहीं एक लाख के पार न चला जाए सोना?

नई दिल्ली/इंदौर। हाल के दिनों में भारत में सोने की कीमतों में बड़ी तेजी देखने को मिली है, जिसके पीछे अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर को वजह माना जा रहा है। बुधवार को सोने के रेट की बात करें तो 24 कैरेट सोने की कीमत 86,058 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। सोने का भाव लगातार आसमान छू रहा है। ऐसा लगता है जैसे दाम में आग लग गई है और वह लगातार भड़क रही है। जानकारों का मानना है कि अगर सोने के दाम बढ़ने की यही रफ्तार रही तो 24 कैरेट सोने का प्रति 10 ग्राम का भाव एक लाख के पार जाते देर नहीं लगेगी। 29 जनवरी के बाद से सोना एक भी दिन सस्ता नहीं हुआ है।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन और अन्य देशों पर जमकर टैरिफ लगाए हैं। ट्रंप ने चीन पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जबकि मेक्सिको और कनाडा पर भी मोटा टैरिफ लगाने की धमकी दी है। ट्रंप के टैरिफ के जवाब में, चीन ने भी अमेरिकी सामानों पर 15 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इससे वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता बढ़ गई है और ट्रेड वॉर की चिंता बढ़ गई है। यही वजह है कि इस व्यापार युद्ध के चलते सोने की मांग दुनियाभर में बढ़ गई है। दरअसल, लोग सोने को सबसे सेफ इनवेस्टमेंट मानते हैं। जैसे ही बाजार में इस तरक स्थिति बनती है, निवेशक अपना पैसा सोने में लगाने लगते हैं। इस वजह से सोने के रेट बढ़ने लगते हैं। यही वजह है कि भारतीय बाजार में भी सोने की कीमतें लगातार ऊंचाई पर पहुंच रही हैं।

भारत में इस तरह बढ़े सोने के दाम बुधवार 19 फरवरी को सोने के रेट की बात करें तो 24 कैरेट सोने की कीमत 86,058 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। इससे पहले 18 फरवरी को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 436 रुपए बढ़कर 85,690 रुपए पर पहुंच गया था।इससे पहले सोना 85,254 रुपए पर था. वहीं 14 फरवरी को सोने ने 86,089 रुपए का ऑलटाइम हाई बनाया था. एक जनवरी से अब तक सोना 9,528 रुपया महंगा हुआ है. इस साल यानी एक जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 9,528 रुपए बढ़कर 85,690 रुपए पर पहुंच गया है.

मेटल मार्केट में मच गया कोहराम गोल्ड की कीमतों में इजाफे का प्रमुख कारण ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी को बताया जा रहा है। ट्रंप ने तीन देशों से स्टील और एल्यूमीनियम के इंपोर्ट पर 25 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इस वजह से मेटल मार्केट में कोहराम मच गया। इसके असर से सोने की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। ट्रम्प के अमेरिका के राष्ट्रपति बनने से जियो पॉलिटिकल टेंशन भी बढ़ गई है। सोने के तेज रफ्तार से भागने के पीछे यह भी एक बड़ा कारण है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से भी सोना महंगा हो रहा है। इसके अलावा महंगाई बढ़ने से भी सोने की कीमत को सपोर्ट मिल रहा है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ने से भी लोग गोल्ड में निवेश बढ़ा रहे हैं।

सोने की कीमतें और बढ़ सकती हैं गोल्डमैन सैक्स ने गोल्ड प्राइस का फॉरकास्ट बढ़ाकर 2025 के अंत तक 3,100 डॉलर प्रति औंस कर दिया है। इसके अलावा, सेंट्रल बैंक्स की खरीदारी और यूरोप में संभावित कमी के चलते गोल्ड की डिमांड और बढ़ सकती है। ऐसे में गोल्ड के लिए ट्रेंड अभी भी बुलिश है। यानी इसकी कीमत भविष्य में और भी ज्यादा बढ़ सकती है।

गहनों के बाजार पर भी असर हो रहा ग्लोबल ट्रेड वॉर को लेकर भारत के जेम्स और ज्वैलरी मार्केट पर भी असर पड़ रहा है। जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्उंसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2025 में भारत के जेम्स और ज्वैलरी एक्सपोर्ट में 7.01 फीसदी की गिरावट आई है। जबकि, इम्पोर्ट्स में 37.83 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ट्रंप की धमकी से पैदा हुए वैश्विक अनिश्चितता के चलते जनवरी 2025 में भारत के जेम्स एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट गिरावट देखने को मिली है।

नई दिल्ली स्टेशन हादसे पर हाईकोर्ट का रेलवे से सख्त सवाल

रेलवे जरूरत से ज्यादा टिकट क्यों बेचती है?

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा अब अदालत पहुंच गया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस घटना पर दायर याचिका के संबंध में रेलवे को आदेश दिया कि आप इसमें उठाए गए मुद्दों की जांच करें। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने संबंधित अधिकारियों से अपने हलफनामे में इन मुद्दों पर उठाए गए कदमों का विवरण देने को कहा है। अदालत ने आदेश दिया कि जैसा कि सॉलिसिटर जनरल ने सुझाव दिया है,याचिका में उठाए गए मुद्दों की रेलवे बोर्ड के उच्चतम स्तर पर जांच की जाए और उसके बाद प्रतिवादी की ओर से एक हलफनामा दायर किया जाए जिसमें रेलवे बोर्ड द्वारा लिए गए निर्णयों की डिटेल दी जाए। जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की खंडपीठ ने रेलवे से सवाल किया कि वह एक कोच में समायोजित हो सकने वाले यात्रियों की संख्या से अधिक टिकट क्यों बेचता है। अदालत ने कहा कि यदि आप एक कोच में समायोजित होने वाले यात्रियों की संख्या तय करते हैं, तो आप बेचते क्यों हैं, टिकटों की संख्या उस संख्या से अधिक क्यों होती है? यही समस्या है। अदालत ने कहा कि जनहित याचिका हाल की भगदड़ की घटना तक ही सीमित नहीं है क्योंकि इसमें एक डिब्बे में यात्रियों की अधिकतम संख्या और प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री के संबंध में मौजूदा कानूनी प्रावधानों को लागू करने की मांग की गई है। यदि कानूनी प्रावधानों को पर्याप्त रूप से लागू किया जाता तो भगदड़ की ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता था। मामले की सुनवाई 26 मार्च को होगी।

घटना के दिन 9600 से ज्यादा अनारक्षित टिकट बेचे गए थे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मामले को प्रतिकूल तरीके से नहीं लिया गया और रेलवे कानून का पालन करने के लिए बाध्य है। उन्होंने कहा कि एक 'अभूतपूर्व' स्थिति है और उन्होंने अदालत को आश्वासन दिया कि जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दों पर उच्चतम स्तर पर विचार किया जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि घटना के दिन 9600 से ज्यादा अनारक्षित टिकट बेचे गए थे और अगर अधिकारी कानूनी बाध्यताओं का पालन करते तो इस घटना को रोका जा सकता था।

फर्जी कॉलेज को मान्यता मामले में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु बर्खास्त

ग्वालियर। ग्वालियर के जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अविनाश तिवारी को बर्खास्त कर दिया गया है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने धारा 52 के तहत यह कार्रवाई की है। यह पहला मामला है, जब किसी कुलपति को इस तरह हटाया गया है। तिवारी पर मुरैना के एक फर्जी कॉलेज, शिवशक्ति महाविद्यालय, को मान्यता देने का आरोप है। ईओडब्ल्यू ने इस मामले में तिवारी समेत 18 प्रोफेसरों पर केस दर्ज किया था। तिवारी की जगह नरसिंहपुर के डॉ. राजकुमार आचार्य को कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया गया है। यह पूरा मामला मुरैना के झुंडपुरा गांव में स्थित शिवशक्ति महाविद्यालय से जुड़ा है। यह कॉलेज सिर्फ कागजों पर चल रहा था, जमीनी हकीकत में इसका कोई अस्तित्व नहीं था। इसके बावजूद जीवाजी विश्वविद्यालय से इसे कई सालों तक मान्यता मिलती रही। ईओडब्ल्यू की जांच में यह फर्जीवाड़ा सामने आया। ईओडब्ल्यू ने दो कुलपतियों समेत 18 प्रोफेसरों पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। इनमें से दो प्रोफेसरों का निधन हो चुका है और छह रिटायर हो चुके हैं।

यह मामला 2022 में सामने आया था जब अरुण कुमार शर्मा नाम के एक व्यक्ति ने ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई थी। शर्मा ने शिवशक्तिमहाविद्यालय के संचालक रघुराज सिंह जादौन पर फर्जी कॉलेज चलाने का आरोप लगाया था। ईओडब्ल्यू ने जांच शुरू की और पाया कि कॉलेज कागजों में ही चल रहा था। जिस पते पर कॉलेज होना बताया गया था, वहां कोई कॉलेज नहीं था। ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि शिवशक्ति महाविद्यालय के संचालक रघुराज सिंह जादौन ने कुलपति अविनाश तिवारी और अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार किए थे। इन दस्तावेजों के आधार पर कॉलेज को मान्यता और संबद्धता दिलाई गई। फर्जी तरीके से छात्रों का दाखिला दिखाकर स्कॉलरशिप और सरकारी फंड का गबन किया गया। ईओडब्ल्यू ने पाया कि जांच दल की मिलीभगत से यह सब चल रहा था।

जमानत पर जेल से बाहर आया आसाराम बापू इलाज के लिए पहुंचा इंदौर

इंदौर। नाबालिग से दुष्कर्म की सजा काट रहा आसाराम फिलहाल जमानत पर जेल से बाहर है। मंगलवार देर रात वह इंदौर के उसी आश्रम में पहुंचा, जहां से उसे 12 साल पहले राजस्थान पुलिस गिरफ्तार कर ले गई थी। आसाराम बुधवार सुबह अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराने इंदौर के सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल पहुंचा। वह करीब आधे घंटे रुका। उसका सामान्य मरीजों की तरह डाक्टरों ने परीक्षण किया। इसके बाद वह रवाना हो गया। 83 वर्षीय आसराम को दिल की बीमारी है और पैरों में दर्द की शिकायत रहती है। जेल में सजा के दौरान वह आयुर्वेदिक उपचार करता था, लेकिन बुधवार को वह जांच के लिए पहुंचा। डॉक्टरों की पैनल ने उसका परीक्षण किया। उसके अनुयायियों ने जांच और उपचार के दस्तावेज भी डाक्टरों से लेकर सुरक्षित रख लिए ताकि वह कोर्ट में प्रस्तुत कर सके। आसाराम के अनुयायियों का खंडवा रोड स्थित आश्रम के बाहर मजमा लगा रहा। वह रात दस बजे सड़क मार्ग से आश्रम पहुंचा। उसके आने की सूचना मिलने के बाद आश्रम में पहले से तैयारियां कर ली गई थी। सेवा दार बाहर सुरक्षा में तैनात थे। वह अपने अनुयायियों के काफिले के साथ आश्रम पहुंचा और सीधे कक्ष में चला गया। फिलहाल वह कुछ दिनों तक इंदौर के आश्रम में रहकर विश्राम करेगा। आश्रम में आसाराम के आने के मौके पर कोई कार्यक्रम तो नहीं रखा गया, लेकिन उसके आने की खबर मिलने के बाद आश्रम के बाहर भीड़ लग गई। लोग बाहर धूप में बैठे उसके बाहर आने का इंतजार करते रहे। गिने-चुने लोगों को ही आश्रम में प्रवेश दिया जा रहा था। आपको बता दें कि गिरफ्तारी से बचने के लिए 12 साल पहले आसाराम इंदौर आया था, लेकिन राजस्थान पुलिस उसे लेने इंदौर आ गई थी। तब से वह जेल में था। 14 जनवरी को उसे इलाज के लिए अंतरिम जमानत मिली है। 31 मार्च को उसकी जमानत अवधि समाप्त हो जाएगी। जमानत के समय यह शर्त भी रखी गई थी कि आसाराम अपने अनुयायियों से सार्वजनिक रुप से नहीं मिलेगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने संभाला पदभार

26 जनवरी 2029 तक रहेगा कार्यकाल

नई दिल्ली। ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया। ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुखबीर सिंह संधू निर्वाचन आयुक्त हैं, जबकि विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया गया। नवनियुक्त मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है। इसलिए भारत का प्रत्येक नागरिक जो 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, उसे मतदाता बनना चाहिए और हमेशा मतदान करना चाहिए। भारत के संविधान, चुनावी कानूनों, नियमों और उसमें जारी निर्देशों के अनुसार भारत का चुनाव आयोग मतदाताओं के साथ था, है और हमेशा रहेगा। ज्ञानेश कुमार को सोमवार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था। ज्ञानेश कुमार निर्वाचन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति के नए कानून के तहत नियुक्त होने वाले पहले मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। उनका कार्यकाल 26 जनवरी, 2029 तक रहेगा। इसके कुछ दिन बाद ही निर्वाचन आयोग अगले लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है। कानून के मुताबिक, मुख्य निर्वाचन आयुक्त या निर्वाचन आयुक्त 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं या फिर छह वर्ष के लिए आयोग में रह सकते हैं।

12वीं टॉप करने वाले छात्रों को कल लैपटॉप के लिए 25 हजार रुपए देंगे सीएम यादव

भोपाल। मध्यप्रदेश में बारहवीं टॉप करने वाले छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव 21 फरवरी को एक समारोह में प्रदेश भर के 12वीं के टॉपर बच्चों को लैपटॉप बाटेंगे। इस तरह लैपटॉप पाने वाले छात्रों को उच्च शिक्षा में सुविधा हो जाएगी। बच्चों के लैपटॉप वितरण कार्यक्रम पर बात करते हुए डॉक्टर मोहन यादव ने बताया कि 21 फरवरी को मध्यप्रदेश सरकार की ओर से हम प्रदेशभर के उन सभी विद्यार्थियों को लगभग 25 हजार रुपए के लैपटॉप प्रदान करेंगे, जिन्होंने 12वीं पास कर अपने-अपने सरकारी स्कूलों की मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे

खूब पढ़े-लिखें और स्वरोजगार समेत अन्य दिशा में आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री मोहन यादव मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए राशि प्रदान करेंगे। यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। इस योजना से लगभग 89,710 छात्र लाभान्वित होंगे, जिन्होंने 2023-24 में 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं। प्रत्येक छात्र को लैपटॉप खरीदने के लिए 25,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके लिए कुल 224 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इससे पहले, मध्य प्रदेश सरकार ने 12वीं बोर्ड परीक्षा में टॉप करने वाले 7,900 छात्रों को मुफ्त ई-स्कूटी भी प्रदान की थी। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को भोपाल में आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री ने उस समय कहा था कि सरकार मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया था कि जल्द ही लैपटॉप योजना भी शुरू की जाएगी।

भीषण आग में 7 दुकानें खाक, 15 गाड़ियां भी जल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के निपानिया इलाके में बुधवार सुबह भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते सात दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। इस आग से भारी नुकसान हुआ है, जिसमें दुकानों का फर्नीचर, मशीनें और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। बताया जा रहा है कि ऑटो गैरेज में खड़ी 15 से ज्यादा बाइक भी इस हादसे में जल गईं। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड को करीब 9 टैंकर पानी का इस्तेमाल करना पड़ा। फायर ब्रिगेड के एसआई सुशील दुबे के अनुसार, आग तुलसी नगर इलाके में लगी थी। इस हादसे में दो हार्डवेयर

दुकानें, एक मिठाई की दुकान, एक पूजन सामग्री की दुकान, एक ऑटो गैरेज, एक एल्युमीनियम सेक्शन की दुकान और एक पिज्जा पॉइंट पूरी तरह जलकर खाक हो गए। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 4 बजकर 20 मिनट पर आग की लपटें देखीं और तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाने के लिए करीब चार घंटे तक कड़ी मशक्कत की। इस हादसे में दो दुकानों में खड़ी करीब 15 बाइक जलकर खाक हो गईं।

इनमें से एक बाइक सांवरिया दूध भंडार की दुकान में थी, जबकि बाकी 14 बाइक ओम साई ऑटो पार्ट्स और गैरेज में खड़ी थीं। सभी दुकानें टीन शेड से बनी हुई थीं और इनमें भारी मात्रा में सामान रखा हुआ था, जो पूरी तरह जल गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को फैलने से रोका, लेकिन तब तक दुकानों में रखा ज्यादातर सामान जल चुका था। प्रशासन अब इस घटना की जांच कर रहा है। फायर टीम के मुताबिक, जिन दुकानों को इस भीषण आग में नुकसान हुआ है, उनमें अश्विन गुप्ता की इंदौर इंटरप्राइजेस, प्रकाश गुप्ता की एक हार्डवेयर की दुकान, मेहरबान सिंह की सांवरिया स्वीट्स एंड डेयरी, केशव और सीमा की श्रीजी पूजा सामग्री की दुकान, राहुल की ओम साई राम ऑटो पार्ट्स और सरवैया गैरेज, राहुल विश्वकर्मा की महाकाल फैब्रिकेशन और बॉबी की वॉव पिज्जा नाम की दुकानें शामिल हैं। इन दुकानों में रखा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। हार्डवेयर की दुकान में लकड़ी का सामान, दरवाजे, मिठाई की दुकान में फ्रिज और मशीनें, ऑटो गैरेज में बाइक और पिज्जा शॉप के इलेक्ट्रिक आइटम पूरी तरह नष्ट हो गए।

शाम को धार रोड पर एक पेवर्स फैक्ट्री में लगी आग

धार रोड पर एक पेवर्स फैक्ट्री में बुधवार शाम को आग लग गई। सूचना पर दमकल की तीन गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। फायर ब्रिगेड के एसआई रूपचंद पंडित के मुताबिक घटना जवाहर टेकरी की है। यहां पर पेवर्स फैक्ट्री में आइल के एक ड्रम के पास अचानक आग लग गई।

जिसमें ड्रम में आग फैलने से धुएं का गुबार उठ गया। करीब तीन टैंकर पानी डालकर आग पर काबू कर लिया गया। फैक्ट्री में काम करने वाले सभी कर्मचारी आग लगने की जानकारी पर पहले ही बाहर आ गए थे। आसपास के लोगों ने बताया कि यहां पर इंटरलाकिंग टाइल्स और पेवर्स ब्लॉक बनाने का काम किया जाता है। जिसमें नजदीक के कंपाउंड में आइल के ड्रम रखे हुए थे।

कुमेड़ी में आईएसबीटी बनकर लगभग तैयार, 200 बसें दौड़ेंगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर कमिश्नर ऑफिस में बुधवार को आईडीए, जिला प्रशासन, नगर निगम, वन विभाग सहित अन्य विभागों की समन्वय समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संभागायुक्त दीपक सिंह ने की। इस दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि आईडीए, नगर निगम, वन विभाग आदि विभाग आपसी समन्वय के साथ पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखते हुए काम करें। अधिकारी खुद मौके पर जाकर निरीक्षण करें और लगातार उसकी निगरानी करें। संभागायुक्त दीपक सिंह ने कहा कि कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी लगभग बनकर तैयार हो गया है। मॉडर्न सुविधाओं से युक्त इस बस स्टैंड का संचालन अगले महीने के मध्य में शुरू हो जाएगा। शुरूआत में इस बस स्टैंड से गुजरात, राजस्थान और दिल्ली जाने वाली लगभग 200 बसें संचालित होगी। इससे शहर में ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। आने वाले दिनों में अन्य राज्यों की ओर जाने वाली बसों की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी।इस बैठक में कलेक्टर आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, आईडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आर.पी.अहिरवार, चीफ इंजीनियर डी.आर लोधी, वन मंडल अधिकारी बीरेंद्र के.पटेल सहित संबंधित डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में संभागायुक्त ने सभी डिपार्टमेंट्स की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी और उनकी समीक्षा की।

यात्रियों को सभी बुनियादी सुविधाएं मिलें

कमिश्नर ने बस स्टैंड को लेकर निर्देश दिए हैं कि, यात्रियों के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यात्रियों और बस संचालकों की सुविधा के साथ-साथ शहर के

ट्रैफिक सुधार को ध्यान में रखते हुए, इस बस स्टैंड से बसों का संचालन किया जाना लाभदायक होगा। आईएसबीटी के समीप वाहन संचालकों को बस पार्किंग की सुविधा प्रदान करने के लिए आईडीए द्वारा स्थान उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, आईएसबीटी तक यात्रियों की सुविधा के लिए सिटी बस, ऑटो, ई-रिक्शा आदि सार्वजनिक परिवहन के साधनों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी।

योजनाओं में बाधक अतिक्रमण हटेंगे

कमिश्नर दीपक सिंह ने बताया कि, सीनियर सिटिजन बिल्डिंग का काम 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। इस बिल्डिंग में 32 फ्लैट है, जिसमें सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं हैं। इसमें सौर प्लांट लगाया जाएगा, ताकि ऊर्जा की बचत के साथ-साथ पर्यावरण में भी सुधार हो। वे बोले- आईडीए और नगर निगम की योजनाओं में बाधक आने वाले अतिक्रमण को हटाया जाएगा। अतिक्रमण हटाने के दौरान जिन गरीबों के आवास हटेंगे, उन्हें मूल स्थान पर विस्थापित कर पीएम आवास योजना 2.0 के आवास दिए जाएंगे।

बैठक में बड़ा गणपति पर प्रस्तावित फ्लाई ओवर पर भी बातचीत हुई। अगले एक पखवाड़े में इसकी डीपीआर बनाकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। आईडीए, नगर निगम के सहयोग से यह काम किया जाएगा। बैठक में एमआर-11, एमआर-12 पर भी चर्चा हुई। बैठक में अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने अपने सुझाव भी दिए।

जेल में अंग्रेजी की पाठशाला, कैदी सीख रहे फर्राटेदार अंग्रेजी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर सेंट्रल जेल में अपराध की दुनिया को पीछे छोड़ समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की इच्छा रखने वाले 20 कैदी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने की कला भी सीख रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य यह है कि जब वे जेल से बाहर आएं, तो समाज के सामने खुद को एक सकारात्मक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत कर सकें। इंदौर की सेंट्रल जेल में वर्तमान में 2000 से अधिक कैदी सजा काट रहे हैं, जिनमें 1455 पुरुष दंडित बंदी, 37 साधारण कैदी, 93 महिला बंदी, 699 विचाराधीन कैदी, 11 मृत्युदंड प्राप्त कैदी, और 16 राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत निरुद्ध कैदी शामिल हैं। जेल अधीक्षक अलका सोनकर का कहना है कि महिला और पुरुष कैदियों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर नवाचार किए जाते हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप कैदी अब शिक्षा की ओर रुचि दिखा रहे हैं और उन्हें विभिन्न बुनियादी कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कई कैदी बोलने लगे धाराप्रवाह अंग्रेजी

जेल के अंदर बनी पाठशाला में हर दिन अंग्रेजी की कक्षाएं लगाई जाती हैं। इन्हीं कक्षाओं में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कैदी परविंदर त्रिलोक सिंह अपने साथी कैदियों को न केवल अंग्रेजी लिखना सिखा रहे हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास के साथ फर्राटेदार अंग्रेजी बोलने का अभ्यास भी करवा रहे हैं। इस समय जेल की इस पाठशाला में 20 कैदी नियमित रूप से शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें से कई अब धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने लगे हैं। परविंदर त्रिलोक सिंह को वर्ष 2002 में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467 और 471 के तहत धोखाधड़ी के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और वह 6 दिसंबर 2002 से जेल में सजा काट रहा है। अब उसका संकल्प है कि अधिक से अधिक कैदियों को अंग्रेजी भाषा का ज्ञान दिया जाए, ताकि वे जेल से बाहर जाकर समाज में अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान बना सकें।

50 कैदी पहली कक्षा से पढ़ाई शुरू कर चुके

जेल प्रशासन द्वारा निरक्षर कैदियों को भी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वर्तमान में, जेल में 50 से अधिक कैदी पहली कक्षा से अपनी शिक्षा शुरू कर चुके हैं। इसके अलावा, हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की परीक्षाओं की तैयारी करने वाले कैदी भी हैं, जिनमें से 10 कैदी इस वर्ष इन परीक्षाओं में शामिल होंगे। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले कैदियों की संख्या 8 है, जो बीकॉम और एमए जैसी डिग्रियां हासिल कर रहे हैं।

होटल मैनेजमेंट का कोर्स भी चल रहा

पिछले तीन वर्षों से सेंट्रल जेल में होटल मैनेजमेंट का कोर्स भी संचालित किया जा रहा है, जिसमें अब तक 10 से अधिक कैदी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। इनमें से कई कैदी जेल से बाहर जाने के बाद अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की योजना बना रहे हैं, ताकि वे अपने परिवार का पालन-पोषण अच्छे तरीके से कर सकें। ऐसे ही एक कैदी, रुस्तम, जो वर्षों पहले हत्या के आरोप में जेल आया था, उसने न केवल उच्च शिक्षा ग्रहण की बल्कि होटल मैनेजमेंट का कोर्स भी किया। उसने अपने साथियों को भी शिक्षा ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया है। इसी तरह, जेल में बंद बिरजू अहिरवार ने भी अपने जीवन को बदलने के लिए शिक्षा का सहारा लिया और अब वह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सेंट्रल जेल में किए जा रहे ये सुधारात्मक प्रयास कैदियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह पहल न केवल कैदियों के जीवन में बदलाव ला रही है, बल्कि यह समाज में उनके पुनर्वास की संभावनाओं को भी बढ़ा रही है।

सिटी बस सुपरवाइजर को चाकू मारने वाले गिरफ्तार

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के राजबाड़ा पर 16 फरवरी की शाम सिटी बस के सुपरवाइजर को बाइक सवार दो बदमाशों ने चाकू मारकर लहूलुहान कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। आरोपियों ने बचने के लिए रावजी बाजार में आपस में झगड़ा किया और प्रतिबंधात्मक धाराओं में बंद हो गए। एसीपी ने उन्हें यहां से जेल भेज दिया। बदमाशों की पहचान हुई तो पुलिस ने उन्हें छूटते ही दबोच लिया। सराफा थाना इलाके में सिटी बस सुपरवाइजर धीरज पुत्र ओमप्रकाश दुबे पर बाइक सवार दो बदमाशों ने चाकू से हमला किया। पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखकर बदमाशों की जानकारी निकाली। जिसमें रमन उर्फ बिची भाट, निवासी आलापुरा और कार्तिक सोलंकी, निवासी मोती तबेला के नाम सामने आए। टीआई सुरेन्द्र रघुवंशी की टीम ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीड़ित धीरज के पिता प्रकाश दुबे केन्द्रीय मंत्री और पूर्व सीएम शिवराजसिंह चौहान की सिक्योरिटी में सुरक्षाकर्मी के पद पर काम करते हैं।

सराफा पुलिस ने जब रमन और कार्तिक को पकड़ने उनके घर पर दबिश दी। यहां पता चला कि दोनों जेल में हैं। पुलिस ने जेल से जानकारी निकाली तो पता चला कि कि एसीपी ने दोनों को सड़क पर लड़ाई झगड़ा करने के चलते वारदात के अगले दिन जेल भेजा था। दोनों आरोपी धीरज पर हमला करने के बाद रावजी बाजार इलाके में पहुंचे थे। इस घटना से बचने के लिए उन्होंने महेश बुक डिपो के पास आपस में विवाद किया। वहीं से एफआरवी वेन उन्हें पकड़कर ले गई। अगले दिन उन्हें जूनी इंदौर एसीपी देवेन्द्र धुर्वे के सामने पेश किया गया। यहां से दोनों जेल चले गए।

वाट्सएप स्टेट्स डालने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। छत्रीपुरा इलाके की लोधा कॉलोनी में लोधा समाज के अध्यक्ष को लेकर वाट्सएप स्टेट्स डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष ने दूसरे के साथ मारपीट कर दी। वहीं दूसरे पक्ष ने अध्यक्ष के भाई और साथियों के साथ मारपीट की। इस मामले में पुलिस ने दोनों पर कार्रवाई की है।

पुलिस ने फल व्यापारी साहिल चौधरी की शिकायत पर रविन्द्र पुत्र छोटेलाल कोतुल निवासी हवा बंगाल और कैलाश पुत्र प्रेम कोतुल निवासी लोधा कॉलोनी के खिलाफ मारपीट का केस दर्ज किया है। साहिल ने अपनी शिकायत में बताया कि वह लोधा कॉलोनी में घर के बाहर बैठा था। दोनों आरोपी वहां आए। रविन्द्र ने कहा कि भाई के खिलाफ स्टेट्स क्यों लगाता है। इस पर साहिल ने इनकार किया। इसके बाद दोनों आरोपियों ने अपशब्द कहते हुए डंडे से मारपीट की। जब साहिल की बहन मीना बीचबचाव करने आई तो आरोपी ने उसे भी पीटा। बाद में आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। वहीं दूसरी ओर रविन्द्र कोतूल की शिकायत पर पुलिस ने साहिल चौधरी, भाई गौतम, मामा के बेटे तेज कुमार, प्रिंस और पीयूष के खिलाफ मारपीट और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है। रविन्द्र ने बताया कि वह फल का काम करते हैं। अपने साले संजय के यहां पर खाना खाने गए थे। रविन्द्र का भाई सुनील लोधा समाज का अध्यक्ष है। साहिल सोशल मीडिया पर स्टेट्स लगाकर कमेंट करता है। लोधा कॉलोनी में साहिल मिला तो उसे समझाया। इस बात पर वह गुस्सा हो गया। उसने भाई और मामा के बेटों को बुलाया और बुरी तरह से मारपीट की। इस दौरान भाभी विमला और भाई सचिन बचाव करने आए तो उनके साथ भी मारपीट कर दी। आरोपियों ने धमकी दी कि लोधा कॉलोनी तरफ दिखे तो जान से खत्म कर देंगे। बाद में भाई सुनील और अन्य लोगों को जानकारी लगने पर थाने पहुंचे।

धूमधाम से मनी शिवाजी जयंती, निकली दो बड़ी रैलियां

इंदौर। इंदौर में मराठा समाज ने शिवाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई। नेहरु स्टेडियम के समीप स्थित उनके प्रतिमा स्थल पर सुबह से कई संगठनों के पदाधिकारियों ने माल्यार्पण किया। श्रमिक क्षेत्र से दो रैलियां भी निकाली, जिसमें महिला और पुरुष पारंपरिक परिधान पहन कर शामिल हुए और पूरे मार्ग पर जय भवानी जय शिवाजी के नारे लगाते हुए चले। रैली तीन पुलिया स्थित जिजाऊ प्रतिमा से निकली।मध्य प्रदेश क्षत्रिय मराठा मंडळ और छत्रपति शिवाजी प्रतिष्ठान द्वारा माल्यार्पण समारोह आयोजित किया गया। अध्यक्ष मनोहर पवार और सचिव बबन कदम ने बताया कि इस वर्ष छत्रपति शिवाजी की जयंती एकता व सद्भावना दिवस के रुप में मनाई गई। इस मौके पर माल्यार्पण, पूजन के अलावा व्याख्यान भी आयोजित किए गए।श्रमिक क्षेत्र से पाटनीपुरा, मालवा मिल होते हुए रैली शिवाजी प्रतिमा पर पहुंची। खुले वाहन में विधायक रमेश मेंदोला, चंदू शिंदे, रैली संयोजक स्वाती काशिद सहित अन्य मौजूद थे। प्रतिमा स्थल पहुंचने के बाद वहां पर ढोल-नगाड़ों की थाप पर रैली में शामिल लोगों ने नृत्य किए और अबीर गुलाल भी उड़ाए। युवकों के हाथों में भगवा ध्वज भी था। विधायक मेंदोला ने कहा कि शिवाजी जयंती ने स्वराज की स्थापना की और हिन्दू समाज को एक करने के सार्थक प्रयास किए। मुगलों से लोहा लेकर उन्होंने साबित कर दिया कि वे सच्चे योद्धा थे। इसके अलावा सुखलियाग्राम से भी एक रैली निकाली, जो शिवाजी प्रतिमा स्थल तक पहुंची। शहर के अन्य संगठनों ने भी शिवाजी जयंती पर आयोजन किए।

इस बार देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में जल्द शुरू होंगे एडमिशन

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में इस बार नान-सीयूईटी पाठ्यक्रमों में पंजीयन प्रक्रिया मार्च के अंतिम सप्ताह से शुरू हो सकती है। 2025-26 सत्र में नान-सीयूईटी के तहत कुछ नए कोर्स शामिल किए जा सकते हैं, जिनमें छह बीए और बीएससी के साथ एमई, एमटेक और एमफार्मा पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये सभी पाठ्यक्रम पहले कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) का हिस्सा थे। इन्हें नान-सीयूईटी के तहत लाने का निर्णय प्रवेश समिति को लेना है। इस संबंध में विश्वविद्यालय ने मार्च में एक बैठक

बुलाई है। नान-सीयूईटी के तहत 23 विभागों द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। इनमें फार्मेसी, पत्रकारिता, सामाजिक विज्ञान, भौतिकी, रसायनशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान और वाणिज्य जैसे विभाग शामिल हैं। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कुल 74 स्नातक, स्नातकोत्तर, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और पोस्ट-डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में से कुछ को इस बार सीयूईटी-यूजी और पीजी से अलग कर नान-सीयूईटी के अंतर्गत जोड़ा गया है। इस बदलाव के बाद अगले सत्र में पाठ्यक्रमों की संख्या बढ़ गई है। पहले नान-सीयूईटी के तहत 79 पाठ्यक्रम थे, जो अब बढ़कर 88 हो गए हैं। इनमें बीएससी (गणित, भौतिकी, सांख्यिकी) और बीए (मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, भूगोल) के पाठ्यक्रम शामिल हैं, जिनमें 60-60 सीटें निर्धारित की गई हैं। साथ ही, एमई, एमटेक और एमफार्मा के नए पाठ्यक्रम जोड़े जाने से कुल सीटों की संख्या बढ़कर 3450 हो गई है। पिछले तीन वर्षों से नान-सीयूईटी में प्रवेश प्रक्रिया जून में शुरू होती थी, जिससे विश्वविद्यालय को सीटें भरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। पिछले वर्ष 40 प्रतिशत सीटें खाली रह गई थीं। इस समस्या से निपटने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्णय लिया है ताकि अधिकतम विद्यार्थी अपने पसंदीदा पाठ्यक्रमों में आवेदन कर सकें। प्रवेश समिति के अनुसार, फरवरी के अंत या मार्च के पहले सप्ताह में पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो सकती है।

इसके अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन इस बार अधिक से अधिक छात्रों को आकर्षित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाने की भी योजना बना रहा है।

महाकुंभ आखिरी पड़ाव पर, मप्र में भीड़ को काबू करने की जद्दोजहद

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ अब आखिरी पड़ाव पर है। ऐसे में प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। इस भीड़ का दबाव मप्र में भी देखने को मिल रहा है। मप्र के की रेलवे स्टेशन और सड़क मार्ग खचाखच हैं। विशेष रूप से मध्यप्रदेश के रीवा संभाग समेत अन्य जिलों में बढ़ने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार ने आवश्यक कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। मुख्य सचिव अनुराग जैन ने प्रदेश के सभी जिलों के कलेक्टरों और रेलवे अधिकारियों से संवाद कर समुचित व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने लोगों से अपील की है कि प्रयागराज यात्रा शुरू करने के पहले भीड़ और जाम की स्थिति पता कर लें ताकि किसी तरह की अव्यवस्था की स्थिति में न फंसना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार प्रयागराज महाकुंभ में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं कर रही है। उन्होंने सीमावर्ती जिलों के कलेक्टरों को सतर्क और सजग रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले भीड़ और जाम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और आवागमन के रास्तों की जानकारी पहले से ही जुटा लें। यदि यात्रा असुविधाजनक हो, तो कुछ दिन के लिए उसे स्थगित करें और मार्ग ठीक होने के बाद ही आगे बढ़ें।

आवश्यक सामान साथ लेकर करें यात्रा

सीएम मोहन यादव ने यह भी सलाह दी कि श्रद्धालु आवश्यक सामान साथ लेकर यात्रा करें, ताकि व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए एक सेंट्रल कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए, जहां महत्वपूर्ण सूचनाओं का आदान-प्रदान सुचारु रूप से हो सके। उन्होंने भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए पुलिस और रेलवे फोर्स के साथ-साथ वॉलंटियर्स का सहयोग लेने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त, जिलों में बनाए गए होल्डिंग सेंटरों की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई, ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। रेलवे स्टेशनों के पास लगाएं बेरीकेड्स, जितनी क्षमता उतने ही यात्री भेजें।

रेलवे स्टेशनों के पास बेरीकेड्स लगाए जाएं

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के पास बेरीकेड्स लगाकर व्यवस्था की जाए। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से कहा कि रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन की क्षमता के अनुसार यात्रियों को प्रवेश दिया जाए। रेलवे स्टेशनों में यात्रियों की सुविधा के लिये अनाउंसमेंट की स्पष्ट सुविधा हो। स्टेशन प्लेटफार्म पर यात्रियों के खान-पान के साथ सुलभ सुविधा की व्यवस्था हो। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रेलवे स्टेशनों में यात्रा टिकिट या प्लेटफार्म टिकिट के बाद ही यात्रियों को प्रवेश दिये जाने की व्यवस्था की गयी है।

सड़क मार्ग पर यातायात के दबाव पर निगरानी

मुख्य सचिव जैन ने कहा कि सड़क मार्ग पर यातायात के दबाव पर सतत निगरानी रखी जाए। होल्डिंग सेंटर पर यात्रियों की सुविधा के लिये स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ मिलकर खान-पान की व्यवस्था के साथ अन्य आवश्यक व्यवस्था हो। उन्होंने प्रदेश की सड़कों के ब्लैक-स्पॉट पर आवश्यक निर्देश और रोशनी की व्यवस्था पर भी जोर दिया। मुख्य सचिव जैन ने कहा कि वाहनों को सावधानी के साथ चलने और ऑप्शनल ड्रायवर की व्यवस्था रखने के लिये भी कहा जाए।

'नक्शा' पायलट प्रोजेक्ट शुरू

मप्र के शहरों में ड्रोन की मदद से बनेगा जमीन, प्लॉट और बस्तियों का नक्शा

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्य प्रदेश के शहरों में जमीन, प्लॉट और बस्तियों का डिजिटल नक्शा तैयार किया जाएगा। रायसेन जिले से इसकी शुरूआत हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव और केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ड्रोन उड़ाकर सिटी सर्वेक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की। केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग ने डिजिटल इंडिया लैंड रिकार्ड्स मॉडर्नाइजेशन प्रोग्राम के तहत इस कार्यक्रम की शुरूआत की है। इस कार्यक्रम का मकसद शहरी जमीनी रिकार्ड्स के लिए एक सटीक डाटाबेस तैयार करना है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कार्यक्रम हवाई और जमीनी सर्वेक्षणों को जीआईएस तकनीक के साथ भूमि प्रशासन को बेहतर बनाएगा। संपत्ति के स्वामित्व रिकार्ड्स को आसान करेगा। साथ ही शहरी योजनाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद करेगा। सटीक भू-स्थानिक डेटा से भूमि उपयोग योजना प्रभावी बनेगी और संपत्ति से जुड़े लेन-देन आसानी से किए जा सकेंगे। यही नहीं इससे प्रापर्टी टेक्स कलेक्शन में सुधार होगा जिससे शहरी निकायों की वित्तीय स्थिति मजबूत होगी।इस योजना से संपत्ति पर कर्ज लेने की प्रक्रिया सरल बनाई जा सकेगी। 'नक्शा' कार्यक्रम से पारदर्शिता और शासन में सुधार आएगा। इस पहल से धोखाधड़ी पर अंकुश लगेगा और शहरी भूमि प्रबंधन पर लोगों का विश्वास बढ़ेगा। इससे रियल स्टेट और बुनियादी ढांचा को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि रायसेन से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण (नक्शा) का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। यह पहल शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने यह भी कहा कि इससे शहरी नियोजन सुव्यवस्थित होगा और भूमि संबंधी विवादों में कमी आएगी। इस नक्शा कार्यक्रम से शहरी क्षेत्रों में ड्रोन से सर्वे कराकर जमीन के अभिलेख तैयार किए जाएंगे। साथ ही नक्शों का आधुनिकीकरण किया जाएगा। इससे भूमि स्वामित्व की पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी।

पूरे देश का कार्यक्रम

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रायसेन का कार्यक्रम रायसेन और मध्यप्रदेश का नहीं, पूरे देश का कार्यक्रम है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि रायसेन से देश के 26 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों के 152 शहरी स्थानीय निकायों में शहरी भूमि सर्वेक्षण 'नक्शा' पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत शहरी क्षेत्रों में ड्रोन से सर्वे होगा और नक्शा बनाकर जमीन के मालिक को दिया जाएगा। यह देश के 152 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया है। इसमें एमपी के 9 जिलों के 10 शहर (शाहगंज, छनेरा, अलीराजपुर, देपालपुर, धार कोठी, मेघनगर, माखन नगर (बाबई), विदिशा, सांची, उन्हेल) भी शामिल हैं।

केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना

केंद्रीय कृषि मंत्री ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना के लिए जनता की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस परियोजना से रायसेन, विदिशा सहित अन्य जिलों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यकता होगी वहां जल संरचनाएं बनाकर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने लाड़ली बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि अब लाड़ली बहनों को लखपति बहना बनना है। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा कि गरीबों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचाया जा रहा हैं, मप्र में 11 लाख प्रधानमंत्री आवास बन रहे हैं। आवास प्लस में छूटे हुए पात्र लोगों के नाम जोड़ने का काम किया जा रहा है। अभी फिर से आवास का सर्वे किया जा रहा है।

बढ़ा भारत का मान-सम्मान

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने केन-बेतवा लिंक परियोजना शुरू की है।

हर भूखण्ड को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में प्रमुखता से काम किया जा रहा है। किसान भाइयों को पर्याप्त सिंचाई के लिए पानी मिलने से उत्पादकता में वृद्धि होती है, हमारे किसान भाइयों की आय बढ़ रही है। इस वर्ष 2600 रुपये क्विंटल के मान से किसानों से गेहूं उपार्जित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनेक सुविधाएं दी जा रही हैं। नवीन कारखाने स्थापित हों, युवाओं को रोजगार मिले यह काम हमारी सरकार कर रही है। प्रदेश में दूध उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। दस से अधिक गाय का पालन करने वाले गौपालकों को सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा। इसके अलावा हमारी माताओं-बहनों को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उनको आत्मनिर्भर बनाने का काम सरकार कर रही है। हमारा मध्य प्रदेश हरित प्रदेश है। वर्ष 2003-04 के बाद प्रदेश में लगातार सिंचाई रकबे में वृद्धि होने से कृषि उत्पादकता में वृद्ध हुई है। वर्ष 2003 के पहले जहां प्रदेश में सात लाख हैक्टेयर सिंचित क्षेत्र था, वहीं आज प्रदेश में लगभग 45 लाख हैक्टेयर से अधिक क्षेत्र सिंचित हैं।

देश की प्रगति स्पष्टता से शुरू होती है

कार्यक्रम में केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा संचार राज्यमंत्री डॉ चन्द्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि देश की प्रगति स्पष्टता से शुरू होती है। विजन में स्पष्टता, गर्वनेन्स में स्पष्टता और भूमि स्वामित्व में भी स्पष्टता। शहरी क्षेत्रों में भूमि स्वामित्व में स्पष्टता नहीं होने से विकास बाधित हुआ। व्यापार को आर्थिक बाधाएं दीं, परिवारों में झगड़ें पैदा किए, सालों तक अतिक्रमण बढ़ गए और विकास के प्रोजेक्ट रूके रह गए। यह सिर्फ शासन की समस्या नहीं करोड़ों लोगों के सपनों और आशाओं में बाधक है। आज ऐतिहासिक कदम ले रहे हैं! नक्शा केवल योजना नहीं, यह शहरी भारत के लिए परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रतिबद्ध है कि हर शहर, हर कॉलोनी और हर घर को सुरक्षित और पारदर्शी भूमि स्वामित्व मिले। नक्शा योजना में आधुनिक तकनीक के साथ में शहर सुरक्षित और व्यवस्थित होंगे।

प्रमोशन में रिजर्वेशन पर जल्द फैसला ले सकती है मप्र सरकार

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी अधिकारी और कर्मचारियों के प्रमोशन में रिजर्वेशन और नई नियुक्तियों में रिजर्वेशन को लेकर पेंच फंसा हुआ है। इस विवाद को काफी समय हो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल से अब यह मामला डॉ. मोहन यादव तक पहुंच गया है। ऐसे में नई सरकार जल्द ही इस मामले में फैसला लेने पर विचार कर रही है। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश में पदोन्नति में आरक्षण नियम निरस्त होने के कारण वर्ष 2016 से पदोन्नतियां बंद हैं। ऐसे में प्रदेश के हजारों कर्मचारी बिना पदोन्नत हुए सेवानिवृत्त हो गए। प्रदेश सरकार प्रमोशन नियमों को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची है, लेकिन कोई रास्ता निकलता दिखाई नहीं दे रहा है।इतना ही नहीं यही विवाद अन्य पिछड़ा वर्ग के 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर भी बना हुआ है। अब मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इन दोनों मुद्दों पर अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शीघ्र समाधान निकाला जाए। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग एक बार फिर कर्मचारी संगठनों से पदोन्नति को लेकर चर्चा करने वाला है। सभी लोगों का पक्ष सुनने के बाद महाधिवक्ता से सलाह लेकर सुप्रीम कोर्ट में जल्दी सुनवाई के लिए आग्रह किया जा सकता है। आपको बता दें कि पदोन्नति को लेकर एक तरफ अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग है तो दूसरी ओर अनारक्षित वर्ग। दोनों ही वर्गों के अपने-अपने तर्क हैं। अब दोनों ही मामला लंबा खिंचने से परेशान हैं और चाहते हैं कि जल्द समाधान निकल आए। आम सहमति नहीं बन रही है, पहले इस मामले को लेकर सरकार मंत्रियों की समिति बनाकर भी प्रयास कर चुकी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज गोरकेला से नए नियम का प्रारूप भी बनवाया, पर बात आगे नहीं बढ़ी।

आबकारी विभाग ने शुरू की शराब दुकानों के लाइसेंस रिन्यूअल की प्रोसेस

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। आबकारी विभाग ने एक अप्रेल से जारी होने वाली नई आबकारी नीति के आधार पर शराब दुकानों के लाइसेंस रिन्यूअल की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रिन्युअल और टेंडर की प्रोसेस प्रदेश के 52 जिलों में ही होगी। मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर के नए जिले बनने के बाद भी इन जिलों में अलग से रिन्यूअल का काम नहीं कराया जाएगा। यहां की शराब दुकानें रीवा, छिंदवाड़ा और सतना की जिला समितियों द्वारा नीलाम कराई जाएंगी। मऊगंज, पांढुर्णा और मैहर के कलेक्टर इन समितियों में शामिल रहेंगे। आबकारी नीति में प्रावधान किया गया है कि प्रदेश में शराब की सभी दुकानें कंपोजिट शॉप होंगी। यहां देसी व विदेशी दोनों ही तरह की शराब उपलब्ध रहेगी। सभी शराब दुकानों पर देश के बाहर से आयात की गई शराब बीआईओ (बॉटल्ड इन ओरिजिन) की बिक्री भी की जा सकेगी। इन शराब दुकानों पर वाइन और हेरिटेज शराब की बिक्री की भी अनुमति दी जाएगी। हालांकि पिछले सालों की तरह अहाता खोलने पर प्रतिबंध रहेगा। साथ ही शराब दुकान के परिसर में शराब पीने की अनुमति नहीं रहेगी। इनमें फलों के रस से बनाई जाने वाली वाइन के आउटलेट और एयरपोर्ट काउंटर शामिल नहीं होंगे। ई टेंडर और ई टेंडर कम आक्शन के माध्यम से शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया होगा। वार्षिक लाइसेंस फीस की शेष राशि प्रक्रिया पूरी होने की तारीख से तीन दिन के भीतर या 31 मार्च 2025 जो भी पहले हो, इस अवधि तक ई आबकारी पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करानी होगी। तय समय पर फीस जमा न होने पर आवेदक की धरोहर राशि जब्त कर ली जाएगी। ऐसे डिफाल्टर आवेदक को ब्लैकलिस्ट भी किया जाएगा और प्रदेश में किसी भी शराब दुकान के लिए आने वाले समय में ठेके की प्रक्रिया में शामिल होने की परमिशन नहीं होगी। ऐसी शराब दुकानों के लिए एकल समूह द्वारा टेंडर प्रोसेस फिर से कराई जाएगी।

मप्र को मिलने जा रही एक और वंदे भारत ट्रेन, जबलपुर से महाराष्ट्र तक चलेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश को एक और वंदे भारत एक्सप्रेस वंदे भारत की सौगात मिलने जा रही है। इसके लिए भारतीय रेलवे ने ट्रेन का रूट और शेड्यूल तय कर लिया है। यह नई वंदे भारत एक्सप्रेस एमपी को दो राज्यों को जोड़ेगी। यह ट्रेन प्रदेश के जबलपुर से चलेगी और महाराष्ट्र के चांद फोर्ट स्टेशन तक जाएगी। पहले इसे जबलपुर से रायपुर तक चलाने का प्रस्ताव था लेकिन रेल प्रशासन ने यह रूट बदलने का फैसला लिया। रेलवे ने नए रुट की घोषणा कर नया शेड्यूल भी बना लिया है। रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलते ही नई वंदे भारत ट्रेन शुरू हो जाएगी। इसी के साथ जबलपुर को दो वंदे भारत एक्सप्रेस मिल जाएगी। दरअसल, जबलपुर से महाराष्ट्र के चांद फोर्ट स्टेशन करीब 476 किमी दूर है। नई वंदे भारत एक्सप्रेस 8.35 घंटे में ये दूरी तय करेगी। रेलवे ने पहले जबलपुर से गोंदिया के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की घोषणा की जिसका रूट रायपुर होते हुए तय किया था। अब रूट बदल दिया गया है।

व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर में सेना के लिए बनी खास गाड़ी, जीआईए में होगी शोकेस

सिटी चीफ इंदौर।

भोपाल। भोपाल में 24 और 25 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टरर्स समिट का आयोजन किया जा रहा है। इस समिट में जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री भी भारतीय सेना के लिए बनाए जाने वाले अत्याधुनिक वाहनों को प्रदर्शित करेगी। व्हीकल फैक्ट्री में बनाई गई मॉडिफाई माइंस प्रोटेक्टिव व्हीकल इस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मुख्य आकर्षण का केंद्र होने वाली है। इसे व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर ने पूरी तरह से मेक इन इंडिया की तर्ज पर तैयार किया है। खास बात यह है कि एमपीवी 6एक्स6 को पूरे देश में केवल जबलपुर में ही तैयार किया जाता है। यह व्हीकल आतंकवाद और नक्सली प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को भारी विस्फोटक हमले से भी बचाने में कारगर है। जंगलों में होने वाले माइंस के धमाकों सहित कई घातक हमले के प्रभाव से भारतीय सैनिकों की रक्षा करने में यह वाहन पूरी तरह से सक्षम है।

विस्फोट के बाद भी वाहन में सुरक्षित रहते हैं सैनिक

इस वाहन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि कितना भी बड़ा विस्फोट हो जाए, अंदर बैठे सैनिकों को सुरक्षित रखा जा सकता है। व्हीकल फैक्ट्री के चीफ जनरल मैनेजर संजीव कुमार भोला के मुताबिक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए व्हीकल फैक्ट्री को बड़ा इन्वेस्टमेंट मिलने की उम्मीद है क्योंकि व्हीकल फैक्ट्री के वाहन एशिया में सबसे बेहतर माने जाते हैं। अगर अच्छा इन्वेस्टर फैक्ट्री को मिल जाता है तो भारतीय सेना के लिए बनाए जाने वाले वाहनों की लागत में बड़ा अंतर आएगा।

माइंस प्रोटेक्टेड व्हीकल बढ़ाएंगे आकर्षण

व्हीकल फैक्ट्री के बनाए गए माइंस प्रोटेक्टेड व्हीकल ग्लोबल समिट में आकर्षण का केंद्र होने वाले हैं। भारतीय सेना को अब एक ऐसा वाहन मिल गया है जो छिपकर हमला करने वाले दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब दे सकता है। जबलपुर की व्हीकल फैक्ट्री ने भारतीय सेना के लिए अपग्रेड माइंस प्रोटेक्टेड व्हीकल बनाया है। यह बख्तरबंद गाड़ी ना केवल सैनिकों की रक्षा करेगा बल्कि दुश्मनों को जवाब देने में मददगार साबित होगा। व्हीकल फैक्ट्री जबलपुर (वीएफजे) ही माइंस प्रोटेक्ट व्हीकल यानी एमपीवी बनाती है। यह आतंकवाद और नक्सलवाद प्रभावित इलाकों में उपयोगी है।

हिमालय की 18000 फीट की ऊंची चोटी पर भी हो चुका टेस्ट

दुश्मन की तरफ से बारूदी सुरंगों से सेना को नुकसान पहुंचाने के नापाक इरादों को यह वाहन पूरा नहीं होने देता। भारी विस्फोटक को यह सहन कर लेता है। विस्फोट के बाद उसमें बैठे सैनिकों को कम नुकसान होता है। सेना के साथ अर्धसैनिक बल के लिए यह रक्षा कवच का काम करता है। इस वाहन में हैवी इंजन के साथ फायरिंग पोर्ट में बदलाव हुआ है। धुंध वाले इलाकों में कांच के ऊपर कोहरे की जो परत जमती थी, उसे हटाने के लिए भी इसमें उपकरण लगाए गए हैं। इसी प्रकार पहले से ज्यादा मात्रा में बारूद के विस्फोट के लिए भी इसे तैयार किया गया है। एमपीवी में उच्च शक्ति इंजन सेल्फ रिकवरी विंच के साथ बुलेट प्रूफ कांच और टायर भी लगे हुए हैं। यह बुलेट प्रूफ टायर खराब होने के बावजूद भी 40 से 50 किलोमीटर वाहन को पहुंचा सकते हैं। हाल ही में इस वाहन की टेस्टिंग हिमालय की 18000 फीट की ऊंची चोटी पर भी किया गया है, जो पूरी तरह से सफल रहा।

सम्पादकीय

क्यों बार-बार फिसल जाती है सैम पित्रोदा की जुबान?

हाल में एक इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर एक ऐसा बयान दिया है कि नया विवाद खड़ा हो गया। उनके बयान से कांग्रेस ने खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उनका निजी बयान है। हालांकि पहला मौका नहीं है कि जब सैम पित्रोदा की जुबान फिसली है। वे अक्सर अपने ऐसे बयानों से कांग्रेस को सांसत में डालते रहे हैं। सैम पित्रोदा देश के जाने-माने इंजीनियर हैं। उन्होंने कई आविष्कार भी किए हैं। उन्हें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। लेकिन उनकी बातें गले नहीं उतरती। सबसे बड़ी बात उनकी बातें कांग्रेस को काफी नुकसान पहुंचा रही हैं।

कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के बेहद करीबी रहे हैं। गांधी परिवार की इसी नजदीकी की वजह से आज भी कांग्रेस में उनकी बहुत अहमियत है। उन्हें साल 2017 में इंडियन ओवसीज कांग्रेस का चेयरमैन बनाया गया था। हाल में एक इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने चीन को लेकर एक ऐसा बयान दिया है कि नया विवाद खड़ा हो गया। उनके बयान से कांग्रेस ने खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उनका निजी बयान है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में साफ किया कि पित्रोदा के बयान से कांग्रेस पार्टी का कोई लेना देना नहीं है। हालांकि पहला मौका नहीं है कि जब सैम पित्रोदा की जुबान फिसली है। वे अक्सर अपने ऐसे बयानों से कांग्रेस को सांसत में डालते रहे हैं। सैम पित्रोदा देश के जाने-माने इंजीनियर हैं। उन्होंने कई आविष्कार भी किए हैं। उन्हें विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्म भूषण से नवाजा जा चुका है। लेकिन उनकी बातें गले नहीं उतरती। सबसे बड़ी बात उनकी बातें कांग्रेस को काफी नुकसान पहुंचा रही हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस पहले ही काफी चुनौतियों से जूझ रही है। 11 वर्षों से वह केंद्र की सत्ता से दूर है तथा गिने-चुने राज्यों में उसकी सरकार रह गई है। लोकसभा में वह 99 के आंकड़े पर जैसे-तैसे पहुंची। राहुल गांधी को 2024 में विपक्ष के नेता का अधिकृत पद मिला जबकि 2014 और 2019 में वे उससे वंचित रह गए थे। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि कांग्रेस के कमजोर हो जाने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लिए कोई सबल चुनौती ही नहीं रह गई। विपक्षी गठबंधन इंडिया में भी विभिन्न पार्टियों के नेता अपनी ढपली अपना राग बजा रहे हैं। ममता, लालू या केजरीवाल की ओर से कांग्रेस को कोई तरजीह नहीं दी जाती। राहुल के पास ले-देकर अडानी वाला मुद्दा बचता है जिसे बार-बार उछालने पर भी मोदी सरकार का कुछ नहीं बिगड़ा। कांग्रेस की ऐसी हालत में उसके कुछ नेता बेतुकी बयानबाजी कर पार्टी की छवि को और भी बिगाड़ देते हैं। कांग्रेस के विदेश विभाग प्रमुख सैम पित्रोदा का विचित्र बयान कांग्रेस के लिए गले की फांस बन गया है। उन्होंने कहा कि चीन कोई दुश्मन देश नहीं है। उसकी ओर से खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। मुझे नहीं पता कि चीन से क्या खतरा है। अब समय आ गया है कि हम इस पड़ोसी देश को पहचानें और उनका सम्मान करें। पित्रोदा का यह बयान अवांछित ही कहा जाएगा। दुनिया जानती है कि चीन दगाबाज, अहंकारी, अलोकतांत्रिक और विस्तारवादी देश है जिसका भारत ही नहीं बल्कि रूस और मंगोलिया से भी सीमा विवाद है। उसने पहले तिब्बत हड़पा और फिर पंचशील समझौते को कुचलते हुए 1962 में भारत पर हमला किया। लद्दाख में उसने घुसपैठ की है तथा भारत के अरुणाचल प्रदेश को वह अपना भूभाग बताता है। गलवान घाटी में हुई खूनी झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हुए थे। भारत की 22,000 वर्ग मील जमीन और हमारा पवित्र तीर्थ कैलाश मानसरोवर चीन के कब्जे में है। उसने अरुणाचल के जिलों के चीनी नाम भी रख दिए हैं। कश्मीर मुद्दे पर वह हमेशा पाकिस्तान का साथ देता आया है। सैम पित्रोदा या तो इन बातों से अनभिज्ञ हैं अथवा जान-बूझकर चीन की तरफदारी कर रहे हैं। क्या उन्हें नहीं पता कि चीन ने पाकिस्तान, श्रीलंका और मालदीव को कर्ज के जाल में फंसाकर उनकी दुर्गति की और उन्हें भारत को घेरने की कोशिश की। श्रीलंका के बंदरगाह पर टोही जहाज खड़ा कर उसने भारत के संवेदनशील ठिकानों की जासूसी की। चीन के खतरे को देखते हुए ही भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने 'क्वाड' संगठन बनाया।

भागवत की हिन्दू एकता से ही विश्वगुरु बन सकेंगे

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का 'जिम्मेदार' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है।

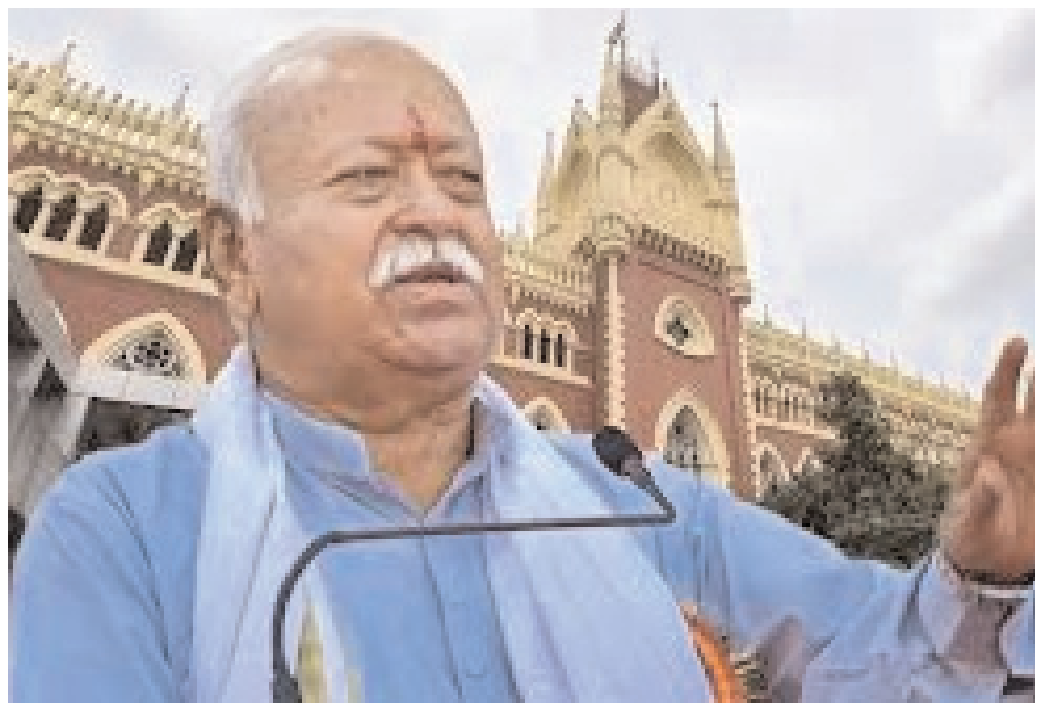

हिंदू एकता ही समाज, राष्ट्र एवं विश्व में शांति, सद्भाव और प्रगति को सुनिश्चित करती है। साथ ही, यह राष्ट्र की सुरक्षा और विकास के लिए भी जरूरी है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को हिंदू समाज को एकजुट करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह देश का 'जिम्मेदार' समाज है जो मानता है कि एकता में ही विविधता समाहित है। भागवत का हिन्दू एकता पर जोर देना न केवल प्रासंगिक है बल्कि यह समय की जरूरत है। क्योंकि लम्बे समय से हिन्दू समाज को तोड़ने की कोशिशों, पडोसी देशों के हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षड्यंत्रों के कारण हिन्दू समाज को संगठित करना जरूरी हो गया है। इस दृष्टि से राष्ट्र-पुरोधा मोहन भागवत का आह्वान एक शक्ति देता है जिसकी रोशनी एक समूची परंपरा एवं संस्कृति को उद्भासित होने का अवसर मिल रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में कुछ ऐसे विरल सरसंघचालक हुए हैं, संघ के सरसंचालकों की समृद्ध एवं शालीन परंपरा में वर्तमान का बहुचर्चित नाम है मोहन भागवत। उनकी विरलता या महत्ता के प्रमुख मानक हैं- सशक्त राष्ट्रीयता, हिन्दुत्व और लोकहितकारी प्रवृत्तियां। इन तीन सोपानों के आधार पर वे महत्ता के ऊंचे शिखर पर आरूढ़ हो गए। उन्होंने हिंदुत्व की नयी व्याख्याएं दी हैं और उनका ताजा उद्बोधन हिन्दू एकता की नई व्याख्या करते हुए न केवल देश को मजबूत बना रहा है बल्कि भारत को विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर कर रहा है। हिन्दू एकता से ही विश्वशान्ति, विश्वसमृध्दि, विश्वसमन्वय और विश्वएकता संभव है। हिन्दू एकता का किसी से विरोध नहीं है। यह सर्वेषां अविरोधेन् है। हिन्दू के लिए सारा विश्व एक कुटुम्ब है। हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम् को मानता है।

भारत को यदि पड़ोसी शत्रुओं के हाथ में जाने से बचाना है, इस्लामी जेहादी आतंकवादियों से देश की रक्षा करनी है, इस गृहयुद्ध से देश बचाना है, भारत को अखण्ड और एकात्म रखना है तो इसके लिए हिन्दू एकता अत्यावश्यक है। हिन्दू एकता में न केवल देश का बल्कि सम्पूर्ण मानव जाति का हित समाया हुआ है। यद्यपि भारत आज आजाद है; पर हिन्दू समाज आज भी आजाद नहीं है। हिन्दू की गुलामी को दूर करने के लिए हिन्दू एकता आवश्यक है, इसके लिए सभी हिन्दुओं को अपनी जाति, भाषा, प्रान्त, सम्प्रदाय व राजनीतिक दलों के भेदभाव को भूलकर हिन्दू के रूप में एक छत के नीचे आना आवश्यक है तभी हम अपने देश को एक रख पाएंगे और देश की आजादी की रक्षा कर पाएंगे। मोहन भागवत ने अपनी बात को अधिक स्पष्ट करते हुए कहा, भारत सिर्फ भूगोल नहीं है; भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं रह सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग स्वाभाविक रूप से यहीं रह गए, उन्होंने भारत के इस सार को अपना लिया। और यह सार क्या है? यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज समझता है कि विविधता ही एकता है। भागवत ने जिस सत्य को उजागर किया है, वह हजारों साल पहले भी सत्य था और आज भी उतना ही सत्य है। बल्कि नई परिस्थितियों एवं राजनीतिक स्थितियों के साथ उसकी उपयोगिता और अधिक बढ़ी है। क्योंकि भारत से निकले सभी संप्रदायों का जो सामूहिक मूल्यबोध है, उसका नाम 'हिंदुत्व' है। इसलिए संघ हिंदू समाज को संगठित, अजेय और सामर्थ्य-संपन्न बनाना चाहता है। इस कार्य को संपूर्णता तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है। भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि एक ऐसे राजा को याद करता है जो अपने पिता के वचन को पूरा करने के लिए 14 साल के वनवास पर चला गया-यह स्पष्ट रूप से भगवान श्रीराम का संदर्भ था, और वह व्यक्ति जिसने अपने भाई की पादुकाएं सिंहासन पर रखीं, और जिसने वापस आने पर राज्य सौंप दिया, यह था भरत का समर्पण। हिन्दू धर्म के भगवद गीता, रामायण, महाभारत, और वेद जैसे शास्त्रों एवं ग्रंथों से ऐसे ही नैतिक मूल्यों, मानवता और जीवन के उच्चतम आदर्शों का संदेश मिलता है, इसलिए हिन्दू समाज की एकता जरूरी है। हिन्दू एकता भारत की आत्मा को जागृत करेगी। भारत का स्वाभिमान, आध्यात्मिकता और ऋषियों का ज्ञान वापस आएगा। परिणामस्वरूप देश से भ्रष्टाचार, हिंसा और अनैतिकता दूर होने के रास्ते खुलेंगे। भारत पुनः जगद्गुरु के रूप में विश्व का मार्गदर्शक बनेगा। हमारे शत्रु भी हमसे मित्रता करने के लिए हाथ बढ़ाएंगे। इन सब स्थितियों को देखते हुए हिन्दू एकता एवं उसको संगठित करना जरूरी है, इसके लिये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रयास एक रोशनी है, एक ताकत है।

संघ और हिंदुत्व को लेकर अकसर उद्देश्यहीन, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचनाएं होती रही हैं लेकिन इस तरह की नीति के द्वारा किसी का हित सधता हो, तो ऐसा प्रतीत नहीं होता तथा न ही उससे संघ पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संघ की ऐसी आलोचना करने वाले समय, शक्ति और अर्थ का अपव्यय करते हैं तथा अपनी बुद्धि के दिवालियापन को उजागर करते हैं। संघ न केवल देश बल्कि दुनिया का बहुचर्चित एवं सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। जो बहुचर्चित होता है उसका विरोध भी होता है। निरूद्देश्य एवं स्तरहीन विरोध, विरोधी विचारधाराओं एवं संगठनों की स्वार्थपूर्ण मनोवृत्ति, ईर्ष्या एवं विध्वंस की नीति का स्वयंभू प्रमाण बन जाता है। संघ एवं मोहन भागवत की आलोचना करने वाले तथा उनके व्यक्तित्व पर कीचड़ उछालने वाले लोग एवं संगठन स्वयं को कमजोर अनुभव करते हुए भी समाज एवं राष्ट्र में प्रतिष्ठित होना चाहते हैं, वे ही ऐसी आलोचना करते हैं। उनकी आलोचनाएं एक जीवंत परंपरा को झुठलाने के असफल प्रयास ही रहे हैं।

हिन्दू एकता के अभाव में ही देश में जेहादी आतंकवाद, तीन करोड़ विदेशी बांग्लादेशियों की घुसपैठ, हिन्दुओं का धर्मान्तरण, गौहत्या, मठ-मंदिरों की सरकारी अधिग्रहण के माध्यम से लूट, हिन्दू संतों और देवताओं का अपमान, नारियों पर अत्याचार-बलात्कार, हिन्दुओं के साथ अंधाधुंध भेदभाव, अन्याय, अत्यन्त सहनशील हिन्दू समाज और महान् हिन्दू धर्म को नष्ट करने के षड्यन्त्र बहुत तेजी से बढ़े। हिन्दू एकता से ये बुराइयां स्वयं नष्ट होने लगेंगी। इससे सबसे अधिक लाभ समाज की दौड़ में पिछड़े रह गए बन्धुओं को, गरीबों को और देश के बेरोजगार नवयुवकों को मिलेगा। हिन्दू विरोधी अपने को धर्मनिरपेक्ष घोषित करने वाले राजनेताओं ने भ्रष्टाचार के माध्यम से गरीब जनता के परिश्रम का लाखों करोड़ रुपया हड़पा है। अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस जैसी ताकते भारत विरोधी विमर्श गढ़ने के लिये अकूत पैसा झोंक रहे हैं, वही हमारे देश के कुछ राजनीतिक दल उसके हाथों खेल रहे हैं। सिकंदर से लेकर सोरोस तक हुए ऐतिहासिक आक्रमणों एवं साजिशों पर बोलते हुए भागवत ने कहा कि कुछ मुट्ठीभर बर्बर लोगों ने, जो गुणों में श्रेष्ठ नहीं थे, भारत पर शासन किया, तथा समाज में विश्वासघात का चक्र जारी रहा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने नहीं किया था तथा भारत के विखंडित होने की धारणा अंग्रेजों ने लोगों के मन में डाली थी। लेकिन अब न केवल भारत बल्कि भारत का बहुसंख्य हिन्दू समाज इन साजिशों को नाकाम करने में सक्षम है। भारत एक 'हिंदू राष्ट्र' है और हिंदुत्व देश की पहचान का सार है। संघ स्पष्ट रूप से देश की पहचान को हिंदू मानता है क्योंकि राष्ट्र की सभी सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं इसी के सिद्धांतों से चलती हैं। भागवत के अनुसार हिन्दुत्व ऐसा शब्द है, जिसके अर्थ को धर्म से जोड़कर संकुचित किया है। संघ की भाषा में उस संकुचित अर्थ में उसका प्रयोग नहीं होता। यह शब्द अपने देश की पहचान, अध्यात्म आधारित उसकी परंपरा के सनातन सत्य तथा समस्त मूल्य सम्पदा के साथ अभिव्यक्ति देने वाला शब्द है। संघ मानता है कि हिंदुत्व शब्द भारतवर्ष को अपना मानने वाले, उसकी संस्कृति के वैश्विक व सार्वकालिक मूल्यों को आचरण में उतारना चाहने वाले तथा यशस्वी रूप में ऐसा करके दिखाने वाली उसकी पूर्वज परम्परा का गौरव मन में रखने वाले सभी 150 करोड़ लोगों पर लागू होता है।

'नकली द्वीप' पर भारत बना रहा अपना पहला एयरपोर्ट

मुंबई में अप्रैल में नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया जाने वाला है। यह मुंबई का दूसरा एयरपोर्ट होगा, लेकिन देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई में दो एयरपोर्ट्स का होना कोई चौंकाने वाली बात नहीं है। फिर चौकाने वाली खबर क्या है? दरअसल मुंबई को लेकर जो खबर सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं, वह है यहां एक कृत्रिम द्वीप पर भारत के पहले एयरपोर्ट के निर्माण से जुड़ी तैयारियों की। हाल ही में ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें कहा गया है कि मुंबई, जिसे दुनिया 'मैक्सिमम सिटी' के नाम से भी जानती है, वहां एक कृत्रिम द्वीप पर भारत का पहला एयरपोर्ट भी बनेगा। इसे लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यह नया हवाई अड्डा चीन के डालियान जिनझोउ बे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और जापान के कंसाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की तर्ज पर बनाया जाएगा, जो मानव निर्मित द्वीपों पर स्थित हैं। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, नया हवाई अड्डा मुंबई के पालघर जिले के वधवन बंदरगाह के पास एक कृत्रिम द्वीप पर बनाया जाएगा। यह स्थान मुंबई के बाहरी इलाके में स्थित है। इस परियोजना को पर्यावरण और रक्षा विभागों के साथ-साथ महाराष्ट्र सरकार से प्रारंभिक मंजूरी मिल चुकी है।

बताया गया है कि यह एयरपोर्ट वाढवण बंदरगाह के करीब एक कृत्रिम द्वीप पर होगा, जो कि छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित होगा। महाराष्ट्र के पालघर के करीब वाढवण बंदरगाह मुंबई के बिल्कुल सीमाई क्षेत्र में मौजूद है। वाढवण सी पोर्ट 76,000 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट है, जो कि पूरा होने के बाद दुनिया के 10 सबसे बड़े बंदरगाहों में शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2024 में इस सी पोर्ट की नींव रखी थी। बताया गया है कि यह बंदरगाह दो चरणों में विकसित किया जाएगा। पहला चरण 2030 तक पूरा हो जाएगा, जबकि दूसरा चरण 2039 तक पूरा होने की संभावना है।

वाढवण बंदरगाह की परियोजना का उद्देश्य विश्वस्तरीय समुद्री प्रवेश द्वार स्थापित करना है। पालघर जिले के दहानु शहर के पास स्थित वाढवण बंदरगाह भारत में गहरे पानी में स्थित सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक होगा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन के लिए सीधा संपर्क प्रदान करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत सरकार इस बंदरगाह को एक अहम व्यापार केंद्र के तौर पर विकसित करना चाहती है। ऐसे में बंदरगाह के नजदीक ही एक एयरपोर्ट की मौजूदगी, यहां आने वाले लोगों के लिए सहूलियत प्रदान करेगी। वाढवण बंदरगाह के करीब इस एयरपोर्ट के निर्माण का प्रस्ताव पिछले साल ही देवेंद्र फडणवीस की तरफ से दिया गया था। तब फडणवीस महायुति सरकार में उपमुख्यमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। उन्होंने कहा था कि मुंबई को आने वाले वर्षों में तीसरे एयरपोर्ट की जरूरत होगी और दुनिया में कई जगहों पर एयरपोर्ट हासिल की गई जमीनों पर बने हैं। उन्होंने केंद्र सरकार को सुझाव दिया था कि मुंबई का तीसरा एयरपोर्ट वाढवण बंदरगाह के करीब हासिल की गई जमीन पर ही बने। हालांकि, मुंबई में तीसरे एयरपोर्ट का विचार देवेंद्र फडणवीस से पहले राज्य की महा विकास अघाड़ी सरकार ने ही रख दिया था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने तब पालघर जिले के केलवा-माहिम या दपचारी में एक घरेलू एयरपोर्ट के निर्माण पर चर्चा छेड़ी थी।

इससे भी पहले 2013 में इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता कंपनी नीदरलैंड एयरपोर्ट कंसल्टेंट्स ने भी मुंबई के करीब कृत्रिम द्वीप बनाने का प्रस्ताव रखा था, जिसमें अलग से एक हवाई अड्डा बनाने की बात भी कही गई थी। नीदरलैंड एयरपोर्ट कंसल्टेंट्स के क्षेत्रीय प्रबंधन जोएरी ऑलमैन ने तब जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (जेएनपीटी) के उत्तर में एक टापू को बसाकर वहां एयरपोर्ट बनाने का प्रस्ताव दिया था।

सरकार जिस कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट विकसित करने की योजना बना रही है, उसे लेकर जानना जरूरी है कि आखिर ये होते क्या हैं? दरअसल, यह समुद्र-नदी या वेटलैंड्स पर छोट-छोटे जमीन के टुकड़े होते हैं, जिन्हें आमतौर पर देश अपने क्षेत्र में होने की वजह से कब्जे में ले लेते हैं और इन्हें बसावट लायक बनाते हैं। इसके लिए सबसे पहले इन छोटे टापुओं को भूमि पुनर्ग्रहण (लैंड रिक्लेमेशन) के जरिए निर्मित किया जाता है। इसका मतलब समुद्र, नदी या आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स) को मिट्टी, रेत या कंक्रीट से भरकर नई जमीन बनाई जाती है, ताकि इसे शहरी विस्तार, पर्यटन, बुनियादी ढांचे या अन्य विकास कार्यों के लिए इस्तेमाल में लाया जा सके। कृत्रिम द्वीप इसी पुनर्ग्रहण की गई जमीन पर बनाए जाते हैं।

किसी कृत्रिम द्वीप पर एयरपोर्ट बनाने की तैयारी करने वाला भारत इकलौता देश नहीं है। जहां चीन अपने डालियान जिनझू अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का निर्माण ऐसे ही एक कृत्रिम द्वीप पर बना रहा है, वहीं जापान 1994 में ही ऐसा द्वीप बना चुका है। इसके अलावा हॉन्गकॉन्ग का एयरपोर्ट भी इसी तरह से बना है।

दूसरी तरफ चीन भी डालियान जिनझू बे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में जुटा है। चीन के मुताबिक, एक बार इस एयरपोर्ट का निर्माण पूरा होने के बाद यह कृत्रिम द्वीप पर बना दुनिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। इसमें चार रनवे होंगे और 9 लाख वर्ग मी. का यात्री टर्मिनल भी होगा। अधिकारियों का कहना है कि यह एयरपोर्ट 2035 तक बन कर तैयार हो जाएगा। इसके बाद यहां प्रतिवर्ष 8 करोड़ यात्री आ-जा सकेंगे। साथ ही इस एयरपोर्ट पर हर साल 5.40 लाख फ्लाइट्स की आवाजाही सुनिश्चित हो जाएगी। बताया गया है कि इस प्रोजेक्ट में 4.3 अरब डॉलर खर्च किए जा रहे हैं। बताया गया है कि समुद्र के किनारे स्थित डालियान शहर के पुराने एयरपोर्ट पर भीड़ क्षमता से काफी ज्यादा रही। यहां पिछले साल ही करीब 6.58 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्री पहुंचे थे।

बिजली बनाने में कोयले के इस्तेमाल से घट रही धान-गेहूं की पैदावार

भारत में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से निकलने वाला प्रदूषण किसानों के लिए महंगा साबित हो रहा है। इन संयंत्रों से उत्सर्जित नाइट्रोजन ऑक्साइड देश के कई हिस्सों में गेहूं और धान की पैदावार को हर साल 10 फीसदी या उससे अधिक तक कम कर रहा है। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के डोएर स्कूल ऑफ सस्टेनेबिलिटी के वैज्ञानिकों के शोध में यह सामने आया है, जिसके निष्कर्ष प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (पनास) पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ताओं ने एक विशेष मॉडल का उपयोग करके यह अध्ययन किया कि कोयला आधारित बिजली संयंत्रों से होने वाला प्रदूषण फसलों को किस तरह प्रभावित करता है। इसके लिए उन्होंने वायु प्रवाह के पैटर्न, 144 बिजली संयंत्रों की गतिविधियों और उपग्रह से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया। इससे पता चला कि यदि इन संयंत्रों से निकलने वाले नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन पर नियंत्रण किया जाए तो गेहूं और धान की पैदावार में सुधार हो सकता है, जिससे किसानों को सालाना 82 करोड़ डॉलर तक का आर्थिक लाभ हो सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बिजली संयंत्र 100 किलोमीटर के दायरे में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के स्तर को बढ़ा रहे हैं जिससे आसपास की फसलें प्रभावित हो रही हैं। यदि मुख्य फसल सीजन (जनवरी-फरवरी और सितंबर-अक्टूबर) के दौरान इस प्रदूषण पर नियंत्रण किया जाए तो भारत में धान की पैदावार को सालाना 42 करोड़ डॉलर और गेहूं की पैदावार को 40 करोड़ डॉलर तक का फायदा हो सकता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में, जहां बिजली उत्पादन में कोयले की बड़ी हिस्सेदारी है, वहां नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण में कोयले का योगदान 13 से 19 फीसदी तक है। वहीं, उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में यह योगदान 3 से 5 फीसदी के बीच है। इसके अलावा वाहनों और औद्योगिक इकाइयों से होने वाला जीवाश्म ईंधन का दहन भी नाइट्रोजन डाइऑक्साइड प्रदूषण का एक प्रमुख स्रोत है। कोयला बिजली संयंत्रों के कारण फसल उत्पादन को होने वाला नुकसान इन संयंत्रों से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होने वाली मौतों की तुलना में कम आंका जाता है। हालांकि प्रति यूनिट बिजली उत्पादन के हिसाब से देखें तो फसलों को होने वाला नुकसान कहीं अधिक हो सकता है। अध्ययन किए गए 144 संयंत्रों में से 58 में धान की क्षति, प्रदूषण से होने वाली मौतों की तुलना में अधिक पाई गई। इसी तरह 35 संयंत्रों में गेहूं की फसल को हुआ नुकसान मौतों से अधिक था।

अध्ययन में सुझाव दिया गया है कि यदि कोयला बिजली संयंत्रों के उत्सर्जन को कम किया जाए तो इससे कृषि, पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य तीनों को लाभ मिलेगा। इसलिए भारत में इन संयंत्रों से जुड़े नियमों को बनाते समय न केवल स्वास्थ्य बल्कि फसलों को होने वाले नुकसान को भी ध्यान में रखना जरूरी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि प्रदूषण को नियंत्रित करने वाली नीतियों से न सिर्फ स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी और जलवायु को भी लाभ होगा। भारत में गेहूं और धान मुख्य खाद्य फसलें हैं जो देश की बढ़ती आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। भारत न केवल दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है बल्कि यहां कुपोषित लोगों की एक बड़ी संख्या भी है। ऐसे में फसलों की पैदावार में गिरावट खाद्य सुरक्षा के लिए एक गंभीर समस्या बन सकती है। शोध से जुड़े प्रमुख वैज्ञानिक कीरत सिंह के अनुसार यह जानना जरूरी था कि कोयला आधारित बिजली उत्पादन से होने वाला प्रदूषण भारतीय कृषि को कैसे प्रभावित कर रहा है। बिजली उत्पादन के लिए कोयले पर अत्यधिक निर्भरता खाद्य उत्पादन को नुकसान पहुंचा सकती है। पिछले अध्ययनों से यह भी पता चला है कि कोयले के जलने से उत्पन्न प्रदूषण न केवल स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है बल्कि अर्थव्यवस्था और पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचाता है। वर्तमान में भारत की लगभग 72 फीसदी बिजली कोयले से उत्पादित हो रही है जो कृषि और स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। इसलिए यह नया शोध सुधार की दिशा में सकारात्मक कदम उठाने की पहल का समर्थन करता है।

अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर पलटी बस...आधा दर्जन यात्री घायल

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी के कोतवाली थाना अंतर्गत द्वारा ग्राम के पास नेशनल हाइवे पर प्रयागराज से हैदराबाद की तरफ जा रही यात्रियों से भरी एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के वक्त बस में 25 से 30 यात्री सवार बताए जा थे। ग्रामीणों की मदद से ट्रैफिक ओर कोतवाली पुलिस बल ने सभी यात्रियों को सुरक्षित बस से बाहर निकला इस घटना में आधा दर्जन लोगों को चोटें आई है जिसमें से एक को कटनी जिला अस्पताल में एंबुलेंस की सहायता से भर्ती कराया गया। कोतवाली थाना प्रभारी आशीष शर्मा ने बताया कि यह बस प्रयागराज महाकुंभ से हैदराबाद की तरफ जा रही थी तभी कोतवाली थाना क्षेत्र द्वारा ग्राम के पास नेशनल हाइवे पर अनियंत्रित हो पलट गई जिसमें 25 से 30 लोग सवार थे जिसमें आधा दर्जन लोग सवार थे जिसमें से 5 से 6 लोगों को चोटें आई है जिसमें से एक यात्री को एबुलेश की सहायता से जिला अस्पताल लगाया गया जहां यात्री का उपचार कर उस घायल यात्री को दुर्घटनाग्रस्त बस में सवार सभी यात्रियों के साथ अन्य बस से हैदराबाद के लिए रवाना करा दिया गया है। इस बस हादसे में अभी तक किसी के भी हताहत होने की कोई खबर नहीं है। इस हादसे के बाद मौके पर मौजूद कोतवाली और ट्रैफिक पुलिस बल ने पलटी बस को क्रेन से उठवा सड़क पर लगे लबे जाम को खुलवाया।

लालबर्रा कबाड़ी दुकानों में बिक रही अवैध संपत्ति

गली मोहल्ले में अवैध कबाड़ का धंधा...प्रशासन बन बैठा अंधा

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, नगर के थाने के आसपास खुलेआम कबाड़ियों का अवैध कारोबार फल फूल रहा है। थाना प्रभारी से लेकर पुलिस स्टाफ रोजाना कबाड़ी दुकान संचालकों के पास से आना-जाना कर रहे हैं। दुकानों में रखे अवैध सामानों पर नजर भी पड़ रही है लेकिन कबाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस हिम्मत नहीं जुटा पा रही है, यही वजह है कि अब चोर अवैध सामान आसानी से कबाड़ी दुकानों में खपा रहे हैं। जिम्मेदारों की निष्क्रियता से चोर और कबाड़ियों का धंधा बढ़ गया है। थाने के पीछे व आसपास से कबाड़ी दुकानों की लाइन शुरू होती है। कबाड़ी दुकानों की जांच करने व गलत खरीदी करते पाए जाने पर कबाड़ियों पर कार्रवाई करने या उनकी दुकान बंद करवाने के लिए पुलिस हिम्मत नहीं जुटा पा रही है। पुलिस संरक्षण से ही कबाड़ दुकान संचालित हो रही है, इस व्यवसाय में पुलिस और प्रशासन का कोई रोक-टोक व समय-समय पर कोई जांच नहीं होती है। कबाड़ी कबाड़ सामान को सड़क तक फैला कर रखते हैं, संचालक बेधड़क बिजली ट्रांसफार्मर के लोहे व तार को खरीद रहे हैं फिर दूसरी जगह महंगे दाम में सप्लाई करते हैं। बाईक के पुर्जे-पुर्जे अलग-अलग करके व अन्य चोरी के सामान कबाड़ में खपाना आम बात हो चुकी है। चोरी की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इन दिनों शहर के गली मोहल्ले से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में भी जगह-जगह कबाड़ दुकान संचालित हो रही है। सभी संचालक प्रत्येक सप्ताह सैकड़ों क्विंटल लोहे का कबाड़ खरीद रहे हैं, इतनी मात्रा में लोहा टीन टप्पर कहां से आ रहा है इसके बारे में किसी को पता नहीं है, दूसरी ओर जैसे-जैसे कबाड़ दुकानों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है इसी तरह चोरी की घटनाएं भी बढ़ती जा रही है। चोर नए-नए क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं। **जानकर भी अनजान बनें हैं अधिकारी** टू व्हीलर गाड़ी हो या फिर फोर व्हीलर गाड़ी कबाड़ वाले हमेशा पेपर देखकर ही खरीदते हैं लेकिन लालबर्रा में कबाड़ी वाले बिना पेपर की कई गाड़ियां खापा चुके हैं। यहां तक की एक ही पेपर में दर्जनों गाड़ियां काटकर बेच देते हैं। कई शासकीय संपत्ति भी कबाड़ में खरीदी जाने की सूचना विश्वसनीय सूत्रों द्वारा दी गई है और यह जानकारी पुलिस के अधिकारी कर्मचारियों को भी है बावजूद कबाड़ वालों पर कोई कार्रवाई नहीं होना संदेह को जन्म दे रहा है। विगत वर्ष मीडिया कर्मियों के पास शिकायत आने पर मोक्षधाम के पास स्थित एक कबाड़ी दुकान में जाकर देखा गया तो सरकारी संपत्ति जैसे हैंडपंप के पुर्जे, हैडपम्प पाइप, पीडब्ल्यूडी के सांकेतिक बोर्ड व उसके पट्टे, पानी की मोटर आदि अनेक आपत्तिजनक सामग्री देखने में आई थी, जिस आशय की खबर भी अनेक समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई थी, बावजूद तब से लेकर अब तक जिम्मेदार प्रशासनिक अमले द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शंकर नगपुरे ने खेत कि पानी कि मोटर चोरी करने वालों के विरुद्ध कि कार्यवाही कि मांग।

एसडीओपी वारासिवनी व सीएम हेल्पलाइन पर कि शिकायत लालबर्रा पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप

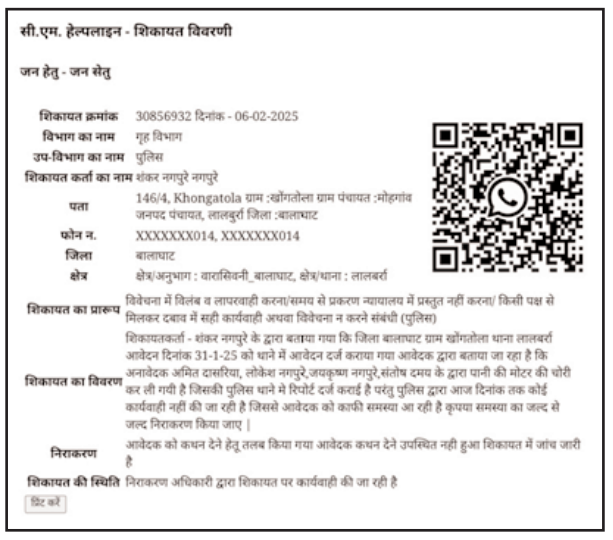
सी.एम. हेल्पलाइन - शिकायत विवरणी

जन हेतु - जन सेतु

शिकायत क्रमांक	30856932 दिनांक - 06-02-2025
विभाग का नाम	गृह विभाग
उप-विभाग का नाम	पुलिस
शिकायत कर्ता का नाम	शंकर नगपुरे नगपुरे
पता	146/4, Khongatola ग्राम :खोंगतोला ग्राम पंचायत :मोहगांव जनपद पंचायत, लालबुर्रा जिला :बालाघाट
फोन न.	XXXXXXX014, XXXXXXX014
जिला	बालाघाट
क्षेत्र	क्षेत्र/अनुभाग : वारासिवनी_बालाघाट, क्षेत्र/थाना : लालबर्रा
शिकायत का प्रारूप	विवेचना में विलंब व लापरवाही करना/समय से प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत नहीं करना/ किसी पक्ष से मिलकर दबाव में सही कार्यवाही अथवा विवेचना न करने संबंधी (पुलिस)
शिकायत का विवरण	शिकायतकर्ता - शंकर नगपुरे के द्वारा बताया गया कि जिला बालाघाट ग्राम खोंगतोला थाना लालबर्रा आवेदन दिनांक 31-1-25 को थाने में आवेदन दर्ज कराया गया आवेदक द्वारा बताया जा रहा है कि अनावेदक अमित दासरिया, लोकेश नगपुरे,जयकृष्ण नगपुरे,संतोष दमाह के द्वारा पानी की मोटर की चोरी कर ली गयी है जिसकी पुलिस थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई है परंतु पुलिस द्वारा आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जिससे आवेदक को काफी समस्या आ रही है कृपया समस्या का जल्द से जल्द निराकरण किया जाए ।
निराकरण	आवेदक को कथन देने हेतु तलब किया गया आवेदक कथन देने उपस्थित नही हुआ शिकायत में जांच जारी है
शिकायत की स्थिति	निराकरण अधिकारी द्वारा शिकायत पर कार्यवाही की जा रही है

प्रिंट करें

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, पुलिस थाना अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मोहगांव (धपेरा) खोंगाटोला निवासी शंकरलाल नगपुरे ने खेत पर से पानी कि मोटर चोरी करने वाले गांव के हि चार लोगों के विरुद्ध लिखित शिकायत एसडीओपी वारासिवनी से 17/2/2025 दिन सोमवार को कि है। तथा इसकी शिकायत मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित सीएम हेल्पलाइन पर 6/2/2025को भी आनलाइन शिकायत कि गई है जिसका शिकायत क्रमांक 30856932 है। तथा शिकायतकर्ता शंकर नगपुरे ने लालबर्रा पुलिस पर लापरवाही का भी आरोप लगाया है।
वहीं शिकायत पत्र में उल्लेख है कि शिकायतकर्ता के द्वारा गांव के हि चार लोगों के विरुद्ध लिखित शिकायत कि गई जिसमें अमित दशरिये पिता परसराम दशरिये,जयकिशन पिता ओमकार नगपुरे,संतोष दमाहे पिता बेनीराम दमाहे व लोकेश नगपुरे पिता पुरनलाल नगपुरे हैं।
शिकायतकर्ता कि कृषि भूमि जो कि ग्राम बिरसोला में स्थित है जिसका खसरा नंबर 37/3 रकबा 3.00 एकड़ है उक्त भूमि पर स्थित बोरवेल में लगी पानी की मोटर जो की चोरों के द्वारा चुरा ली गई है जिसके चोरी होने के संबंध में प्रथम सूचना संदेह के आधार पर पुलिस थाना लालबर्रा में दर्ज करा दी गई है, शिकायतकर्ता द्वारा दिनांक 31.1.2025 को की गई संदेह कि रिपोर्ट के आधार पर पुलिस लालबर्रा द्वारा आज दिनांक तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है, जबकि सूचनाकर्ता को तरह-तरह से धमकियां भी दी जा रही है तथा चोरी की घटना की जानकारी रखने वाले गवाहों को भी धमकियां दी जा रही है,ऐसी स्थिति में यह आवश्यक हो गया है कि घटना स्थल पर तत्काल पहुंचकर धमकी देने वाले लोगों एवं आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु लालबर्रा पुलिस को निर्देशित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।
शिकायतकर्ता ने लालबर्रा पुलिस पर लगाया लापरवाही का आरोप
वहीं शिकायतकर्ता शंकरलाल नगपुरे ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि मेरे द्वारा लालबर्रा थाने में 31/1/2025 को शिकायत संबंधित आवेदन दिया गया था तथा मेरे द्वारा शिकायत कि रिसिप्ट मौजूद पुलिसकर्मियों से मांगी गई थी तो उनके द्वारा स्पष्ट रूप से मना कर दिया गया तथा उपस्थित पुलिसकर्मियों द्वारा कहा गया कि चोरी कि शिकायत कि कोई रिसिप्ट थाने से नहीं मिलती है। तथा मेरे द्वारा अनावेदकों के विरुद्ध कई बार कार्यवाही हेतु पुलिस थाना में जाकर निवेदन किया गया लेकिन पुलिस ने मेरे आवेदन पर आज दिनांक तक किसी भी प्रकार कि कोई कार्यवाही नहीं कि है।जिस वजह से मुझे एसडीओपी वारासिवनी व सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करवाना पड़ा।
वही पुलिस कार्यवाही नहीं होने के चलते चोरों के हौसले बुलंद हैं। साथ ही इन लोगों से मुझे व मेरे परिवार को भय भी है क्योंकि यह लोग अपराधिक प्रवत्ति के लोग हैं। वहीं अब देखना यह है कि आखिरकार पुलिस कब तक कार्यवाही करती है या फिर आवेदक ऐसे ही परेशान होते रहेगा।

भाकियू महात्मा टिकैत के जहांगीर आलम बनाए गए ब्लॉक अध्यक्ष

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर । देवबंद, भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के पश्चिमी प्रदेश अध्यक्ष कारी रिज़वान त्यागी ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से देवबंद में पद वितरित करते हुए जहांगीर आलम को ब्लॉक अध्यक्ष, सुहैल सिद्दीकी को नगर युवा अध्यक्ष, मोहम्मद आतिफ को तहसील युवा अध्यक्ष, मोहम्मद आसिफ को युवा नगर महामंत्री, मोहम्मद नजीमुद्दीन को तहसील अध्यक्ष, मोहम्मद सईद को नगर सचिव के पद पर मनोनीत किया है। इस दौरान कारी रिज़वान त्यागी ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए युवा कार्यकर्ताओं को आगे आना होगा और किसान व मजदूर हितों के लिए संघर्ष करना होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) हमेशा किसानों और आम जनता की आवाज़ को बुलंद करता आया है और आगे भी यह संघर्ष जारी रहेगा। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूरी ईमानदारी और मेहनत से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। इस दौरान संगठन के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राम वासियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के उपायों के बारे में जानकारी दी गई

विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव हेतु उपयोगी तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उ प्र)
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल के निर्देशन में एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) रजनीश कुमार मिश्र के मार्गदर्शन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं 8 वी वाहिनी एन0 डी0 आर0 एफ0 गाजियाबाद टीम के द्वारा जिला महिला चिकित्सालय में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के विषय पर जन-जागरण कार्यक्रम FAMEX का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एनडीआरएफ सब इन्स्पेक्टर विनोद कुमार एवं उनकी टीम द्वारा ग्राम वासियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के उपायों के बारे में जानकारी दी गई तथा विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव हेतु उपयोगी तकनीक का प्रशिक्षण दिया गया ताकि इमरजेंसी के समय ससुरक्षित स्वयं अथवा अन्य व्यक्तियों/परिवार को बचाकर जानङ्माल की सुरक्षा की जा सके। कार्यक्रम में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर इंद्रा व महिला चिकित्सालय के सभी डॉक्टर, पैरा मेडिकल स्टाफ, आपदा विशेषज्ञ पंकज कुमार मिश्रा आदि अधिकारी उपस्थित रहें।

यह पहला प्रयास है आने वाले समय में नोहलेश्वर महोत्सव को बेहतर और दिव्य-भव्य रूप में आयोजित किया जायेगा - राज्यमंत्री

राज्यमंत्री धर्मेंद्र लोधी ने नोहलेश्वर महोत्सव का दीप प्रज्जवलन एवं गणेश प्रतिमा पर माल्यापर्ण कर किया शुभांरभ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ
दमोह, बड़ी ही प्रसन्नता का विषय है कि आप सभी के सहयोग और आशीर्वाद से नोहटा महोत्सव फिर से शुरू करने का सौभाग्य मिला है, आज बुंदेलखण्ड के जाने-माने कलाकार जितेन्द्र/जित्तू खरे के कार्यक्रम के साथ ही राई का कार्यक्रम रखा गया है, यह आपका अपना कार्यक्रम है, इस कार्यक्रम का आनंद सभी-जन लें। यहां पर 10 दिवसीय बड़ा कार्यक्रम करने का प्रयास किया गया है, कार्यक्रम का यह पहला प्रयास है, आने वाले समय में और बेहतर सुनिश्चित किया जाएगा, यह मेला दिव्य और भव्य रूप में आयोजित होगा। इस आशय के विचार प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने नोहलेश्वर महोत्सव के शुभांरभ अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभांरभ भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित एवं माल्यापर्ण कर किया गया। इसके पूर्व राज्यमंत्री सहित कार्यक्रम आयोजक मण्डल ने नोहलेश्वर मंदिर पहुँच कर पूजन अर्चन किया और मसाल को मेला स्थल पर स्थापित किया।
राज्यमंत्री ने कहा पिछली बार तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया था, इस बार शिव महोत्सव के नाम से यह मेला शुरू किया गया है, इस मेले में 5 दिवस स्थानीय कार्यक्रम होंगे जिसमें बुंदेलखंड के कलाकारों को शामिल किया गया है, जिसमें स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे, 22 फरवरी से संस्कृति विभाग के कार्यक्रम शुरू होंगे, जिसमें प्रदेश के ख्याति प्राप्त कलाकार आ रहे हैं, जिनका देश दुनिया में नाम है, ऐसे कालाकार आएंगे, यह कार्यक्रम आगे बढ़ता रहे, ऐसा प्रयास किया जायेगा।
इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा हर्ष का विषय है कि आज नोहटा में महोत्सव आयोजित किया जा रहा है, दमोह में सांस्कृतिक चेतना यात्रा निकाली गई थी जिसमें मसाल जुलूस में प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी चल रहे थे। मंत्री जी के मार्गदर्शन में भव्य मेला आयोजित हो रहा हैं, यहां पर बेहतर और अभूतपूर्व व्यवस्थाएं की जा रही है, मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग दिया हैं आज नोहटा में इसकी झलक नजर आ रही हैं।
उन्होंने कहा मेला में उत्कृष्ट कलाकार एवं गायक आपके बीच में आ रहे हैं, इसका श्रेय भी आपके विधायक को जाता है, यह मेला दमोह में एक नया इतिहास रचने वाला है, यहां पर हेलीकॉप्टर राइड भी होने वाली है, जो गांव का छोटे से छोटा व्यक्ति 2000 रूपये की राशि पर हवा में उड़ने का आनंद लेगा। जिलाध्यक्ष ने कहा यहां पर स्थाई मंच और अन्य व्यवस्थाएं हो जाए जो हमेशा मेले के लिए काम आएंगे।
कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ। बुंदेलखण्ड के जाने-माने कलाकार जितेन्द्र/जितु खरे ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थितजनों का मनमोह लिया। उन्होंने राज्यमंत्री एवं भाजपा जिलाध्यक्ष शिवहरे का पुष्प माला से सम्मान किया। आयोजक समिति ने अतिथियों का फूल मालाओं से सम्मान किया।

माता मावली मेला में विधिक जागरूकता कार्यक्रम

गणेश वैष्णव । सिटी चीफ (छग)
नारायणपुर, जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव उत्तरा कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव गायत्री साय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट व अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति नारायणपुर प्रतिभा मरकाम के आदेशानुसार एवं प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्यायबोर्ड शिवप्रकाश त्रिपाठी, रिटेनर अधिवक्ता चन्द्र प्रकाश कश्यप प्रबंधन कार्यालय के नेतृत्व मे अधिकार मित्र घासी राम नेताम, संदीप भगत, सालेहा परवीन, अर्चना बघेल के द्वारा 08 मार्च 2025 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत के संबंध में नारायणपुर मेला में ग्रामीणों को नेशनल लोक अदालत के संबंध में प्रचार प्रसार किया गया एवं पॉम्पलेट वितरण कर लोगो को बताया गया कि न्यायालय में लंबित राजिनामा योग्य प्रकरणों को आपसी राजिनामा के माध्यम से निराकरण किया जाता है। साथ ही सिविल, दाण्डिक, चेक, बाउंस पारिवारिक विवाद, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा के प्रकरणों, बैंक के प्री-लीटिगेशन प्रकरण, बीमा, विधुत, दूरभाष, डाकघर एवं नगर पालिका का भी निराकरण किया जाता है। नेशनल लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों के पारित अवार्ड, आदेश की प्रतिलिपि पक्षकारों को नि:शुल्क प्रदाय किया जाता है। व बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 , महिलाओं के कानूनी अधिकार, नि:शुल्क कानूनी सहायता सलाह दिया गया।

नीलकंठेश्वर मंदिर उदयपुर में महाशिवरात्रि पर्व पर की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा

विदिशा

श्रद्धालुगणो को असुविधाएं ना हो को ध्यानगत रखते हुए सम्पूर्ण कार्य संपादित करें - कलेक्टर

बासौदा के उदयपुर में स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित मेला और श्रद्धालुगणो के लिए दर्शन लाभ व पूजा अर्चना के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधाएं ना हो इसके लिए किए जाने वाले प्रबंधो व स्थानीय स्तर पर सुझावो की प्राप्ति कर उन पर अमल करने के संबंध में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के द्वारा नीलकंठेश्वर मंदिर परिसर में बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में बासौदा जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती नीतू रघुवंशी, नगरपालिका अध्यक्ष श्री शशि यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधि, पुलिस अधीक्षक के अलावा विभिन्न विभागो के जिला व अनुविभाग स्तरीय अधिकारी, मेला व मंदिर परिसर समिति के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने महाशिवरात्रि पर्व पर पूर्व वर्षो में किए जाने वाले प्रबंधो की जानकारी लेने के उपरांत स्थानीय नागरिको से नवीन सुझावो की प्राप्ति के उपरांत उन्होंने कहा कि हम सबका एक ही ध्येय है कि महाशिवरात्रि पर्व पर आने वाले सभी भक्त श्रद्धालुगणो को मंदिर में पूजा अर्चना व दर्शन लाभ प्राप्ति में किसी भी प्रकार की असुविधाओं का सामना ना करना पडें। इसके लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में जो जनहितैषी सुझाव प्राप्त हुए है उन पर अमल किया जाएगा।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने महाशिवरात्रि पर्व के पहले सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाए और उनकी वैकल्पिक व्यवस्थाओं पर भी ध्यान रखा जाए। पूर्व वर्षो की कमियों को दूर करते हुए इस वर्ष पहले से अधिक सुविधाएं श्रद्धालुगणो को मिलें।

कंट्रोल रूम - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने महाशिवरात्रि व मेला परिसर में तमाम जानकारियां शीघ्रता से प्राप्ति के लिए पृथक से कंट्रोल रूम बनाए जाने के निर्देश दिए। इस कंट्रोल रूम में पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। वही जगह-जगह लगाए गए सीसी कैमरो का प्रसारण कंट्रोल रूम में सुगमता से देखा जा सके। इसकी मानिटरिंग के लिए अधिकारियों की चौबीस घंटे तैनाती की जाए।

नियंत्रण -महाशिवरात्रि पर्व पर नील कंठेश्वर मंदिर परिसर में आने वाले श्रद्धालुगणो को आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो खासकर दर्शन के दौरान इसके लिए पूर्व वर्षो की भांति इस वर्ष भी जिग-जेग मार्ग नियत किए जाए। श्रद्धालुगणो की इस वर्ष लगभग पचास हजार से अधिक हो सकती है। इसके लिए आवश्यकता पडे तो मंदिर परिसर के बाहर भी जिग - जेग पद्धति का उपयोग किया जाए।

पेयजल आपूर्ति - ग्रीष्मकाल को देखते हुए श्रद्धालुओं सहित अन्य सभी नागरिको को पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए नियत स्थलो पर टेंकर रखने के निर्देश दिए गए। इस दौरान बतलाया गया कि समीपवर्ती ग्राम पंचायतो के 24 टेंकर मेला परिसर में रखे जाएंगे।

जो श्रद्धालुगण जिग- जेग लाइन में लगे होंगे उन सबको पेयजल की आपूर्ति उसी स्थल पर की जाए ताकि उन्हें पानी पीने के लिए लाइन से अलग ना हटना पडें। विभिन्न स्थलो पर पानी पीने के केम्पर पर्याप्त संख्या में रखे जाएं।

बिजली की आपूर्ति - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने उर्जा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि सम्पूर्ण मेला अवधि के दौरान बिजली की सतत आपूर्ति बनें रहे इसके लिए पूर्व में ही तमाम प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। आवश्यकता पडने पर वैकल्पिक प्रबंधो की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। नीलकंठेश्वर मंदिर परिसर में विद्युत, साज सज्जा की बेहतर व्यवस्था हो इसके लिए पृथक से प्रबंध सुनिश्चित किए जाए वहीं श्रद्धालुगणो के आवागमन मार्गो खासकर समीपवर्ती ग्रामीण क्षेत्रो की सडको पर भी प्रकाश की अस्थायी व्यवस्था स्थानीय ग्राम पंचायत के माध्यम से क्रियान्वित की जाए।

अफवाहों पर नियंत्रण - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह इस अवधि में ना फैले इस कार्य में मीडियाबंधुओ की भी महती भूमिका है। उन्होंने सोशल मीडिया के प्लेटफार्मो पर की सांझा की जाने वाली जानकारियों को स्वंय प्रमाणीकरण कर लें इसके पश्चात उसें सर्कुलेट करें। भीड अधिक होने पर विभिन्न प्रकार की अफवाहे जन्म ले सकती है अत: किसी भी प्रकार की अव्यवस्था संज्ञान में आती है तो सबसे पहले प्रशासन के संज्ञान में लाएं ताकि उस स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सकें।

होल्डअप एरिया - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालुगणो की संख्या अधिक हो सकती है एटेटाइम नियंत्रण के लिए होल्डअप एरिया भी चिन्हांकित किए जाएंगे जिसका मुख्य उद्धेश्य होगा कि श्रद्धालुगणो को रूकने के प्रबंध किए जाएंगे ताकि सुगमता से बैठ सकें और अपनी बारी आने पर दर्शन पंक्ति लाइन में लग सकें। होल्डअप एरिया क्षेत्रो में और क्या सुविधाएं दी जाए इस और भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए है।

स्वास्थ्य सुविधा - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने महाशिवरात्रि पर्व पर भरने वाले मेला व नीलकंठेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल असर ना पडे का विशेष ध्यान रखा जाए। यदि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकता पडती है तो अविलम्ब पीडित को चिकित्सी सुविधा मिले इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। उन्होंने विभिन्न स्थलो पर स्वास्थ्य स्टाल बनाए जाने तथा नियत स्थलो पर एम्बुलेंस रखने के निर्देश दिए है। सभी स्वास्थ्य कैम्पो में चिकित्सीय दल के साथ-साथ अन्य आवश्य प्रबंध किए जाएं।

सुरक्षा व्यवस्था - पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने सम्पूर्ण मेला परिसर और मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यानगत रखते हुए किए जाने वाले प्रबंधो को सांझा किया। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थलों पर सीसी कैमरे लगाए जाएंगे वहीं पुलिस द्वारा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ड्रोन कैमरो का भी उपयोग किया जाएगा। हरेक पुलिस अधिकारी के पास वायरलेंस सेट होगा ताकि सूचनाएं सम्प्रेषण करने में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि श्रद्धालुगण किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित होते देखते है तो अविलम्ब कंट्रोल रूमें अथवा नजदीक के पुलिस अधिकारी के संज्ञान में त्वरित लाएं।

यातायात - पुलिस अधीक्षक श्री काशवानी ने सम्पूर्ण मेला अवधि के दौरान आवागमन सुगमता से दुर्घटना रहित हो इसके लिए किए जाने वाले प्रबंधो, जनजागरूकता संदेशो, नियत स्थलों पर ही वाहनो की पार्किंग करने तथा पुलिस द्वारा बतलाए गए मार्गो से ही यातायात करने के संबंध में आवश्यक सुझावो को सांझा किया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरती जाने वाली सावधानियों को भी पुलिस अधीक्षक द्वारा रेखांकित किया गया। इसके अलावा पुलिस से संबंधित जो भी जनहितैषी सुझाव प्राप्त हुए है खासकर व्यवस्थाओं को सुगम बनाने के संबंध में उन सब पर अमल किया जाएगा।

बैठक में पूर्व वर्षो के अनुसार इस वर्ष भी व्यवस्थाएं पूरी करने खासकर मंदिर परिसर के अंदर आवागमन में किसी भी प्रकार की बाधाएं ना हो। पूजा के दौरान कोई भी व्यक्ति फिसल कर गिर ना पाए। किसी भी प्रकार की धक्कामुक्की ना हो इसके लिए मंदिर समिति के अलावा अन्य संस्थाओं को वालिटियर्स की जबावदेंही सौंपी जाएगी इन सबको पुलिस द्वारा परिचय पत्र भी दिए जाएंगे। मेला परिसर में आने वाले श्रद्धालुगणों के लिए अस्थायी शौचालयो के संबंध में भी पूर्व वर्षो की भांति प्रबंध किए जाएंगे। उपरोक्त बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री ओमप्रकाश सनोडिया, बासौदा एसडीएम, एसडीओपी, जनपद सीईओ, सीएमओ, तहसीलदार सहित अन्य खण्ड स्तरीय अधिकारी व विभिन्न विभागो के जिलाधिकारी, गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि, मीडियाकर्मी मौजूद रहें।

10 लाख का नाला ..क्यों बदला पाला ...?

क्या खेतों की पानी निकासी के लिये बना है नाला

जहाँ बार बार आवेदन ,निवेदन,शिकायतों के बाद भी काम नही होते ..वहाँ सिर्फ मौखिक बोलने पर खर्च किये लाखों ।

इतनी गंभीरता से यदि हमारी समस्या भी सुन लेते तो स्वर्णकार कॉलोनी में रोड बनने से हमारी वर्षो की समस्या हल हो जाती - रहवासी स्वर्णकार कॉलोनी

नगर पालिका परिषद कहने को तो पूरे शहर मे निर्माण और विकास कार्य कर रही है, नाली, सडक और सफाई में तो खुद को पुरस्कार की दौड मे शामिल मानकर खुद की पीठ थपथपा रही है,और पीठ थपथपाना लाजमी भी है क्योंकि नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी आजकल भविष्य की योजनाओं पर बड़ी गंभीरता से कार्य कर रहे है भले ही वर्तमान मे मूलभुत आवश्यकता से लोग वंचित रह जाए। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण आपको नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति छाया जोशी के निर्वाचन क्षेत्र वार्ड क्र. 30 मे देखने को मिलेगा जहां एक ओर स्वर्णकार कॉलोनी के रहवासी वर्षो से कुछ मीटर सडक निर्माण कि मांग करते थक गये पर आजतक किसी ने सुध नही ली ,ओर वहीं दूसरी ओर रहवासीयों की समस्या और विरोध को ताक में रख कर करीब 10 लाख की लागत का नाला बना डाला जहाँ ना तो कोई मकान है और ना ही अगले कुछ वर्षों में वहाँ काई बस्ती बसती नजर आ रही है। वर्तमान में वहाँ आसपास खेत है जिसमे फसल लगी है, कुछ पड़त भूमि है। दबी जुबान में लोग पूछ रहे है के क्या सिर्फ एक कोठी के मालिक को लाभ पहुंचाने की मंशा से यह नाला बना है या गणित कुछ और ही है ? क्योंकि रोड के दांए ओर ठीक सामने नर्मदा नगर के रहवासी नाली व पानी निकासी की उचित व्यवस्था ना होने से गंदा पानी रिक्त पड़े प्लाटों पर बहाने को मजबूर है।जिससे मच्छर ओर दुर्गंध जैसी समस्या खड़ी हो रही है ।

पर यहाँ पर यह तो पूछ ही सकते है कि आखिर क्या सोच कर मुख्य नगर पालिका अधिकारी निगवाल ने इसकी तकनीकी व प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है ये तो वो ही बता पाएंगे ।पर यहाँ प्रश्न यह है के वह कौन अधिकारी/ यंत्री /उपयंत्री है जिसने नगर पालिका अध्यक्ष को भविष्य क सुनहरे सपने दिखा कर इसका निर्माण कार्य किया या फिर ये माने के भविष्य को ध्यान में रख कर भविष्यनिधि के लिए यह निर्माण हुआ है यह तो भविष्य में आने वाला समय ही बताएगा।

पर जब हमने जिम्मेदारों से जानना चाहा तो उनका कहना था -

रहवासियों की मांग थी ,खेत का पानी घरों में घुसने से समस्या हो रही थी ।आने वाले समय मे पोल शिफ्टिंग कर सड़क का चौड़ीकरण करेंगे- श्रीमती छाया जोशी (अध्यक्ष नगर पालिका खरगोन)

पूछने पर के रहवासियों ने उस ओर नाला बनाने के लिए कोई आवेदन पत्र / मांगपत्र दिया है तो अध्यक्षा जी ने कहा देखना पड़ेगा ...शायद मौखिक ही कहा था ।

इस संबंध में जब मुख्य नगर पालिका अधिकारी मंशाराम निगवाल से फोन पर चर्चा करना चाही तो उन्होंने कहा अभी मैं बाहर हूँ आने के बाद बात करते है । नाले का कार्य देख रहे उपयंत्री जितेंद्र मेढ़ा ने फ़ोन पर चर्चा में बताया कि सामने के मकान आगे पीछे होने से वहाँ नही बना सकते ।क्रॉस बना कर नालियों को इसमें जोड़ा जाएगा ।रोड चौड़ा करेंगे, पोल शिफ्टिंग होगी ।इसलिए उस तरफ बनाया है ।

पचमढ़ी महादेव शिवरात्रि मेला- अधिकारियों ने किया व्यवस्थाओं का निरीक्षण

नर्मदापुरम

श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की

महादेव की पवित्र नगरी पचमढ़ी में शिवरात्रि मेला 17 फरवरी से 26 फरवरी 2025 तक आयोजित हो रहा है। मेले में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों से लाखों श्रद्धालु चौरागढ़ महादेव एवं जटाशंकर के दर्शन हेतु आ रहे हैं। अब तक लगभग 50,000 श्रद्धालुओं ने मेले में दर्शन किए हैं, और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। श्रद्धालु नांदिया जंक्शन होते हुए चौरागढ़ पहुंच रहे हैं।

मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अतिरिक्त दंडाधिकारी नर्मदापुरम श्री डीके सिंह एवं महादेव मेला समिति की सचिव श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव द्वारा मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार श्री वैभव बैरागी, सीईओ साडा श्री नीरज श्रीवास्तव, एडी सतपुडा टाइगर रिजर्व श्री संजीव शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री मोहित यादव, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारी भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने महादेव, गुप्त महादेव, बीड क्षेत्र से सीता नहानी, नादिया जंक्शन एवं चौरागढ़ स्थल का पैदल भ्रमण किया और व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। साथ ही, श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा देने हेतु मेडिकल कैंप में डाक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों को यातायात और श्रद्धालुओं के आवगमन को सुचारू बनाए रखने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मेला क्षेत्र में पानी की सप्लाई, सफाई और ब्लीचिंग के छिड़काव के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। श्रीमती अनीशा श्रीवास्तव ने दुकानदारों को ईको फ्रेंडली बांस के डस्टबिन का इस्तेमाल करने हेतु प्रेरित किया, ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। पचमढ़ी तहसील में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहाँ उच्च अधिकारियों द्वारा मेले की समस्त व्यवस्थाओं पर नियंत्रण रखा जा रहा है। आवश्यकतानुसार प्वाइंटों पर सामग्री और अन्य सुविधाओं की तत्परता से उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

शिवाजी जयन्ति पर बना उल्लास,भव्य यात्रा का स्वागत

खेतिया,,, अजेय योद्धा, कुशल प्रशासक महाराजा शिवाजी की जयन्ती पर खेतिया में विशाल शोभायात्रा निकाली गई।नगर में इस वर्ष भी श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्म जयंती बड़े ही हर्षद उल्लास के साथ मनाई गई जिसमें शोभायात्रा श्री क्षत्रिय मराठा समाज भवन से प्रारंभ होकर शहर भ्रमण कर शिवाजी चौक में महाराजा शिवाजी की प्रतिमा पर समाजजनों व गणमान्यों ने माल्यर्पण किया,,शोभायात्रा पुन: मराठा समाज भवन पहुंची जहां सामूहिक भोज किया गया। शोभायात्रा का शहर में जगह जगह स्वागत किया गया यात्रा में शिवाजी की वेशभूषा में शिवाजी के रूप में घोड़े पर बैठे युवा के साथ लोग फ़ोटो लेते रहें। मराठा समाजजनों ने सभी को बधाई देते हुए सबके सहयोग का आभार व्यक्त किया

राणापुर ब्लॉक बीएलबीसी बैठक आयोजित

रानापुर/झाबुआ - झाबुआ जिले की राणापुर ब्लॉक में बीएलबीसी बैठक जनपद पंचायत राणापुर के सभाकक्ष में अग्रणी जिला प्रबंधक मुहम्मद अल्ताफ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में बैंकर्स को शासकीय योजनाओं के लक्ष्य फरवरी माह में प्राप्त करने का निर्देश लीड बैंक मैनेजर के द्वारा दिया गया। लीड बैंक मैनेजर द्वारा सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायत को शीघ्र तथा गुणवत्ता पूर्वक निपटारा करने के लिए बैंकर्स को निर्देशित किया गया। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं जैसे वित्तीय साक्षरता, ऑनलाइन फ्रॉड इत्यादि पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक मुहम्मद अल्ताफ, जनपद पंचायत से संजय कुमार, आरसीटी से सुमित पाटनी, डीआईसी से अर्चना बारले, नगर पंचायत से शारदा चौहान, एनआरएलएम से संजय सोलंकी, पशुपालन से अनीता चौहान आदि विभाग प्रमुख के साथ सभी बैंकर्स उपस्थित रहे।

औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण सुधार के लिए कार्ययोजना तैयार कर लें -कलेक्टर प्रियंक मिश्रा

औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण सुधार के लिए गठित टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न

धार। जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में पर्यावरण सुधार और प्रदूषण नियंत्रण के लिए स्वच्छ पीथमपुर अभियान की शुरुआत की गई है। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय में हुई बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक चौधरी, सहायक कलेक्टर वसीम अहमद बट, एसडीएम प्रमोद गुर्जर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एमपीआईडीसी के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौर वर्चुअल रूप से बैठक में शामिल हुए।

पीथमपुर नहीं है क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया

औद्योगिक प्रदूषण के व्यापक विश्लेषण के बावजूद पीथमपुर को क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया है। हालांकि, पर्यावरण संरक्षण को लेकर सरकार लगातार निगरानी रख रही है और इसे और अधिक स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए संयुक्त प्रयास

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि ग्राम पंचायत, नगर पालिका, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड और एमपीआईडीसी संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। गंदगी के स्त्रोतों की पहचान कर उनका प्रबंधन किया जाएगा। गैप एनालिसिस के आधार पर शोर, जल, वायु और प्लास्टिक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए संबंधित विभागों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

मुख्य प्रदूषण कारक और समाधान

नाले में गंदे पानी का बहाव – घरेलू और औद्योगिक वेस्ट की पहचान कर इसे रोका जाएगा।

धूल और प्लास्टिक कचरा – सफाई व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर सख्ती से रोक लगाई जाएगी।

शोर और वाहन प्रदूषण –– पुलिस, आरटीओ और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के संयुक्त प्रयास से कार्रवाई की जाएगी।

सड़क क्षति – खदानों के कारण सड़कों को हो रहे नुकसान की जवाबदेही तय कर संबंधित विभागों से मरम्मत कराई जाएगी।औद्योगिक क्षेत्र को रहने योग्य बनाना ङ्क पर्यावरण सुधार के लिए उद्योगों को जागरूक किया जाएगा और MPPCB ओरिएंटेशन मीटिंग आयोजित करेगा।

तकनीकी संस्थानों का सहयोग लिया जाएगा

बैठक में यह भी प्रस्तावित किया गया कि इंदौर के इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों को इस परियोजना में शामिल किया जाए। नेशनल एनवायर्नमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (ह्वश्वक्रढ्ढ) तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

एक्शन प्लान और निगरानी व्यवस्था

लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कार्य योजना तैयार की जाएगी।

थर्ड पार्टी असेसमेंट कराकर पर्यावरण प्रदूषण का निष्पक्ष आकलन किया जाएगा।

पहले नोटिस, फिर कार्रवाई – उल्लंघन करने वालों को पहले नोटिस देकर सुधार का समय दिया जाएगा, तत्पश्चात आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

जनभागीदारी सुनिश्चित की जाएगी – स्थानीय प्रशासन, उद्योग, मीडिया, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों को अभियान में जोड़ा जाएगा।

पीथमपुर को आदर्श औद्योगिक क्षेत्र बनाने की योजना बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि पीथमपुर को एक आदर्श औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे भविष्य में यहां बड़ी औद्योगिक इकाइयों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा सके। पर्यावरण नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा और राष्ट्रीय हरित अधिकरण तथा केंद्र एवं राज्य सरकार के निर्देशों के तहत कार्य किया जाएगा। स्वच्छ पीथमपुर अभियान के तहत सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर कार्य करेंगे और समय-समय पर राज्य सरकार को प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने आदिवासी नृत्यदल के कप्तान को पुरुस्कृत

शिखर सम्मान से सम्मानित हुए कैलाश झाबा

बाग – बाग क्षेत्र का आदिवासी नृत्यदल अब अपनी पहचान बनाता जा रहा है । और अधिक पहचान देने में आदिवासी नृत्यदल के कप्तान कैलाश झाबा ने अपने पिता झेतुसिह झाबा के बाद सम्हाला ओर इसे शिखर तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है । बाग क्षेत्र में बाघ गुफाओं के साथ बाग प्रिंट फासिल्स पार्क के साथ अब आदिवासी नृत्य दल के नाम से भी बाग जाने जाना लगा है आदिवासी नृत्यदल के कप्तान कैलाश झाबा कौ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भोपाल में राज्य शिखर सम्मान से सम्मानित किया । आदिवासी लोक नृत्य दल की टीम को अब शादी समारोह में बुलाया जाता है शादी की रोधक बढ़ाने के लिए आदिवासी संस्कृति को जिंदा रखा ग्रामीण क्षेत्रो में जो आज दूर दराज में भी इसकी मांग बढ़ी है । कैलाश झाबा की टीम ने इस टीम ने अनेक राज्यों में भी अपनी प्रस्तुति देकर इसके पुर्व भी कही स्थानों पर सम्मान पा चूके हैं। इस सम्मान पर नृत्य दल के कप्तान कैलाश झाबा ने बताया की यह आदिवासी नृत्य दल ग्रामीण क्षेत्रो की पहचान के साथ अब अनेक राज्यों में भी अपनी कला की छाप छोड़ रहा है मुझे जो शिखर सम्मान मिला है यह सम्मान आदिवासी कला और संस्कृति के साथ पुरे क्षेत्र का है।

किसानो को शून्य प्रतिशत योजना का लाभ मिले इस हेतु कालातीत ऋण की अधिकाधिक करें वसूली -प्रबंध संचालक पी.एस धनवाल

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, खरगोन प्रधान कार्यालय सभा कक्ष मे शाखा प्रबंधको की मासिक समीक्षा बैठक में अल्पकालिन फसल ऋण की वसूली के संबंध में वन-टू-वन चर्चा की गई। चर्चा में कृषि ऋणों की वसूली कम होने से अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रबंध संचालक पीएस धनवाल द्वारा शाखा प्रबंधको को लक्ष्य अनुरूप वसूली करने हेतु निर्देषित किया गया। प्रबंधक संचालक द्वारा हिदायत देते हुए सख्त निर्देष दिये गये कि कालातीत ऋणो की अधिकाधिक वूसली की जावे ताकि जो किसान कालातीत ऋण उनकी ओर बकाया होने के कारण शासन की शून्य प्रतिषत ब्याज पर कृषि ऋण प्रदाय योजना से वंचित रह गये है, उन्हे मुख्य धारा में लाकर मध्य प्रदेष शासन की शून्य प्रतिषत ब्याज पर कृषि ऋण प्रदाय योजना का लाभ दिलाया जा सके। उल्लेखनिय है कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक, खरगोन में कुल चार लाख छत्तीस हजार किसान है जिनको वर्ष में म.प्र. शासन की शून्य प्रतिषत ब्याज योजना अंतर्गत राषि रू तीन हजार आठ सौ करोड से अधिक का अल्पकालीन ऋण वितरण किया जाता है किन्तु 42,922 कालातीत किसान ऐसे है, जिनकी ओर राषि रू. 689.77 करोड कालातीत ऋण बकाया होने के कारण शून्य प्रतिषत ब्याज पर ऋण उपलब्ध नही कराया जा पा रहा है। प्रबंध संचालक के द्वारा ऐसे किसानों को समझाइष देते हुए ऋणों की वसूली करने के निर्देष दिए गए है। उनके द्वारा यह भी निर्देष दिए गए है कि जो किसान जानबुझकर उनकी ओर बकाया कालातीत ऋण जमा नही कर रहे है उनसे म.प्र. सहकारी अधिनियम 1960 की धाराओं के अंतर्गत विधिकरूप से वसूली की जावें, इसका डोंडी पिटवाकर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जावें, सर्वाधिक बडे कालातीत बकायादारों की सूची सार्वजनिक स्थानों एवं बैंक के बाहर लगाई जाएगी।

कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान एवं सांसद अनिता चौहान अपने विशेष दल के साथ धार्मिक यात्रा महाकुंभ प्रयागराज के लिए रवाना हुए

अलीराजपुर मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान एवं सांसद अनिता चौहान अपने विशेष दल के साथ धार्मिक यात्रा महाकुंभ प्रयागराज के लिए रवाना हुए यात्रा में शामिल भाजपा नेता राजेश गुप्ता ने बताया कि कैबिनेट मंत्री एवं सांसद के साथ उनके पिता भुवान सिंह चौहान, दोनों विधायक प्रतिनिधि गोविंदा गुप्ता, रिंकेश संदीप राही, राजेश गुप्ता सभी

सपत्नीक सपरिवार सहि रिंकू, जोबट से शुभम श्रीवास्तव, गांधी, लक्की, सही कई साथी धर्मलाभ लेने एवं महाकुंभ प्रयागराज में त्रिवेणी संगम में स्नान कर अलीराजपुर एवं प्रदेश की सुख शांति समृद्धि की प्रार्थना के साथ रवाना हुए।

रानापुर के पास ग्राम पुवाला जंगल में जुआ खेलते आरोपीयो को पुलिस ने धरदबोचा

रानापुर- पुलिस अधीक्षक जिला झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल के द्वारा सभी थाना प्रभारीयो को अवैध गतिविधीयो में लिप्त अपराधियो की धरपकड करने हेतु निर्देशित किया गया था, जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे एवं अनुविभागीय अधिकारी झाबुआ श्रीमति रुपरेखा यादव के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक दिनेश रावत द्वारा पुलिस टीम बना कर लगातार अवैध गतिविधीयो में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दिनांक 18.02.2025 के करीब 19.30 बजे मुखबीर की सुचना पर ग्राम पुवाला के जंगल में करीब 12-15 लोग हारजीत का दाव लगा कर जुआ खेल रहे थे, पुलिस द्वारा

घेरा बंदी कर दबिश दी गई , रात्री में अंधेरा का फायदा उठा कर जुआ खेलते लोग जंगल की और भागने लगे जिसमें से दो आरोपी यासीन पिता काले खाँ पठान उम्र 36 साल निवासी ताड गली राणापुर व जयेश पिता वाला माली उम्र 25 साल निवासी मालीपुरा को पकडा एवं इनके कब्जे से करीब 800 रुपये व दो ताश की गड्डी जप्ति की गई । एवं घटना स्थल से फरार आरोपीयों की कुल 06 मोटर साईकिलो को जप्त कर थाना लाये जिनके मालिक एवं चालको के विरुध्द वैधानिक कार्यवाही की जावेगी बाद आरोपीयो के विरुध्द थाना राणापुर पर अपराध क्रमांक 52/2025 धारा 13 जुआ एक्ट का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया ।

कुल जप्त मश्रुका:- 02 ताश पत्ते की गड्डी नगदी 800 रुपये व फरार आरोपीयो की कुल 06 मोटरसाईकिल

नाम आरोपीगण:- 1. यासीन पिता काले खाँ पठान उम्र 36 साल निवासी ताड गली राणापुर

2.जयेश पिता वाला माली उम्र 25 साल निवासी मालीपुरा

सराहनीय कार्य:- उक्त सराहनीय कार्यवाही मे थाना प्रभारी राणापुर निरीक्षक दिनेश रावत स्टाफ एवं साइबर सेल टीम का महत्वपुर्ण योगदान रहा ।

चोरी के मामले में लंबे समय से फरार 5000 के ईनामी बदमाश को किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक बड़वानी जगदीश डावर द्वारा अपराधो पर अंकुश लगाने तथा फरार आरोपियो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस महानिरीक्षक इन्दौर (ग्रामीण)अनुराग द्वारा ईनामी फरार आरोपियो की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाने हेतु समस्त थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया है, जिसमे थाना खेतिया के अपराध क्रमांक 244/2024 धारा 303 (2) बी.एन.एस. मे घटना दिनांक 08.12.2024 की दरम्यानी रात मे ग्राम निसरपुर से खडे ट्रक से अज्ञात बदमाशो द्वारा तिरपाल फाडकर विडोल कंपनी के आयल के कुल 293 बॉक्स चुरा कर ले गये थे जिसमे फरार आरोपियो की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक, बड़वानी द्वारा फरार आरोपी दलाभाई उर्फ डालाभाई पिता मानसिंह नायका निवासी अछाला तह. गोधरा जिला पंचमहल (गुजरात) की गिरफ्तारी हेतु 5000/- रुपये के ईनाम की उद्घोषणा की गई थी। आरोपी को ऑपरेशन हवालात के तहत गिरफ्तारी हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल

पाटीदार, एसडीओपी आयुष कुमार अलावा के मार्गदर्शन में फरार आरोपियो की तलाश हेतु थाना प्रभारी खेतिया निरी. सुरेन्द्र कनेश द्वारा टिम गठित कर गोधरा (गुजरात) भेजा गया था जहां पर टीम द्वारा उक्त फरार आरोपी दलाभाई की तलाश कर तकनिकी माध्यम से पता करते उक्त आरोपी सूरत मे जाकर अपनी पहचान छुपा कर रह रहा है जिस पर टीम द्वारा त्वरित सूरत (गुजरात) सूचना संकलीत कर फरार ईनामी आरोपी दलाभाई उर्फ डालाभाई पिता मानसिंह नायक उम्र 47 वर्ष निवासी ग्राम अछाला तहसील गोधरा जिला पंचमहल (गुजरात) को दिनांक 18.02.2025 को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी को लेकर

निरी. सुरेन्द्र कनेश, सउनि विक्रमसिंह किराडे, आर. विजय भवेल, आर.धर्मेन्द्र पटेल, आर.हेमन्त कुशवाह , उनि. रितेश खत्री (सायबर सेल प्रभारी बड़वानी), प्रआर.योगेश पाटील (सायबर सेल बड़वानी) की सराहनीय भूमिका रही है

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा रात्री गश्त के दौरान एक तुफान वाहन से लाखो रुपये की अवैध शराब जप्त की गई

झाबुआ- जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर झाबुआ श्रीमती नेहा मीना द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध श्रीमती बसंती भूरिया, ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ के निर्देशन में दिनांक 19.02.2025 को रात्री गश्त के दौरान संयुक्त आबकारी टीम द्वारा वृत्त झाबुआ अ में हवाई पट्टी - नल्दी मार्ग पर एक तुफान वाहन का पीछा करके घेराबंदी कर ग्राम कोटडा मे रोका मौके से वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन को रोड़ किनारे छोड़कर फरार हो गया मोके पर वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर तुफान वाहन क्रमांक MP09BC0278 से माउन्ट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन कुल 42 पेटी (कुल-504 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर मोके पर से फरार अज्ञात आरोपीयों के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2), 36, 46 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जप्त कुल मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 1,31,040/- एवं वाहनों का मूल्य 7,00000/- इस प्रकार शराब व वाहनों का कुल मूल्य 8,31,040/- रूपयें है। उक्त कार्यवाही आबकारी उपनिरीक्षक अकलेश सोलंकी द्वारा की गई व आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा एवं कांतु डामोर, विजय चौहान, पवन गाड़रिया, सोहन नायक का उल्लेखनीय योगदान रहा।

फर्जी पत्रकारों के कारण पत्रकारिता के दमन पर लग रहा है दाग - शरद जोशी

श्रमजीवी पत्रकार संघ का सदस्यता कार्ड वितरण समारोह आयोजित

पिपलौदा । मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ लम्बे समय से पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़ते आ रहा है वर्तमान दौर में कुछ फर्जी पत्रकार संगठन और फर्जी पत्रकारों के कारण पत्रकारिता के दमन पर दाग लग रहा है कई बार ऐसे पत्रकारों द्वारा आम लोगों को प्रताड़ित किये जाने की शिकायतें प्राप्त होती है। हमारा संगठन ऐसे पत्रकारों के ख़िलाफ़ मुहिम चला रहा है। आज समाज में इन फर्जी पत्रकारों को बेनकाब किया जाना भी जरूरी हो गया है ताकि लोग भय व आंतक से मुक्त हो। उक्त बात मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ तहसील इकाई द्वारा आयोजित सदस्यता कार्ड वितरण समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि संघ के पूर्व वरिष्ठ मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष शरद जोशी ने कही।

मूलभूत समस्याओं को लेकर संघ चलाएगा अभियान - राजेश जैन जिलाध्यक्ष राजेश जैन ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पत्रकारो के सामने बड़ी चुनौतियां है। कलम के माध्यम से पत्रकार समाज के प्रति अपना दायित्व तो निभाता ही है लेकिन जब कलम से कोई जन समस्या का निराकरण नहीं होता है तो हमे संगठन के माध्यम से शासन प्रशासन को आमजन के दायित्वों के प्रति जागृत करना होगा । श्रमजीवी पत्रकार संघ इस दिशा में एक नई भूमिका निभाने जा रहा है। जिले की मूलभूत समस्याओं को लेकर संघ निरंतर अभियान चलाएगा और शासन प्रशासन को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराएगा।

टांक व दवे ने दी संगठनात्मक जानकारी समारोह को पूर्व जिलाध्यक्ष भेरूलाल टांक, महासचिव दिनेश दवे ने भी संबोधित करते हुए संगठनात्मक जानकारी दी। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माला अर्पण कर समारोह का शुभारंभ किया। स्वागत भाषण देते हुए तहसील अध्यक्ष प्रफुल्ल जैन ने संघ की विभिन्न गतिविधियों के साथ संघ के आगामी कार्यो की जानकारी दी।

ग्रामीण पत्रकारों ने भी रखी अपनी बात जिला उपाध्यक्ष रणायरा के सुनिल जोशी ने क्षेत्र की समस्याओं का जिक्र किया और कहा कि हमारा संगठन जनसमस्याओं के लिए पत्रकारों को जागरूक करेगा यह अच्छी पहल है इससे जनता में पत्रकारों के प्रति विश्वास बड़ेगा। पिपलौदा के जियाउद्दीन कुरेशी ने फर्जी पत्रकारों के लिए संघ द्वारा उठाई जा रही आवाज की सराहना करते हुए कहा कि इस फैसले से निश्चित ही समाज मे पत्रकारों के प्रति पुनः खोया विश्वास लौटेगा।

अतिथियों का किया सम्मान अतिथियों का स्वागत जिला सचिव जितेन्द्र बाबेल, संयुक्त सचिव राकेश मालवीय, रूप सिंह राठौर कालूखेड़ा, अभिषेक जैन, गोरव टांकवाल पिपलौदा, दीपक सांखला आम्बा, प्रह्लाद पंवार रानीगांव, अर्जुन पाटीदार हतनारा, हेमंत सिंह बछोड़िया, दिलीप जैन तालिदाना, प्रेम सिंह देवड़ा, काबुलखेड़ी, जितेंद्र सिंह जड़वासा आदि ने किया। अतिथियों द्वारा सभी सदस्यों को सदस्यता कार्ड वितरित किए गए। तहसील इकाई द्वारा सभी को डायरी पेन व फोल्डर का वितरण किया गया।

जिनका दामन सनातन के अपमान में रंगा वही महाकुंभ को 'फालतू और 'मृत्युकुम्भ बता रहे, विजय सिन्हा का विपक्ष पर हमला

इंटरनेशनल डेस्कः बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विजय कुमार सिन्हा ने महाकुंभ की व्यवस्था को लेकर विपक्षी दलों के सवालों को निराधार बताते हुए कहा कि आज महाकुंभ पर अशोभनीय टिप्पणियां वही लोग कर रहे हैं जिनका इतिहास ही सनातन संस्कृति के तिरस्कार पर आधारित तुष्टिकरण के पोषण का रहा है।

विजय सिन्हा ने बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि ये वही लोग हैं जो बंगाल में सनातन की संतानों को हत्या, बलात्कार और लूटपाट के जरिए पीड़ित करते हैं। ये वही लोग हैं, जिनके पूर्वज ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाई थी। ये वही लोग हैं, जिन्होंने साम्प्रदायिकता और जाति के जहर से वर्षों तक भाई-भाई को लड़ाकर अपनी सत्ता की जागीर को सुरक्षित रखने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि सनातन के अपमान से जिनका दामन रंगा है आज वही महाकुंभ को 'फालतू और 'मृत्युकुम्भ कहकर अपमानित कर रहे हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि महाकुंभ की अपार सफलता इसी बात से साबित होती है कि बीते 35 दिनों में देश और दुनिया के करीब 56 करोड़ लोग अबतक 'आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यदि आर्थिक पैमाने पर भी बात की जाए तो योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने 7500 करोड़ रुपए व्यवस्था में खर्च किये और करीब दो लाख करोड़ रुपए का अनुमानित व्यापार वहां हुआ है। महाकुंभ को आज दुनिया भर में हमारी सांस्कृतिक विरासत के महोत्सव के रूप में पहचान मिली।

सिन्हा ने कहा, हमारी संस्कृति और विरासत हमारी पहचान का मूल आधार है। सदियों से इसी सांस्कृतिक एकता के कारण हम अपनी विविधताओं के बीच एक रहे हैं इसीलिए हमारे संविधान निर्माताओं ने भी संविधान की मूल प्रति में पांच हजार साल और 12 प्रमुख ऐतिहासिक खंडों की ऐतिहासिक विरासत को चित्रों और भावों के माध्यम से संयोजित किया था। आज उसी मूलमंत्र पर हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर की डबल इंजन सरकारें विरासत के साथ विकासकी परिपाटी को आगे बढ़ा रही है।

बिना नोटिस अफगानों को जबरन देश से निकाल रहा पाकिस्तान, गिरफ्तारियां की तेज

इंटरनेशनल डेस्कः पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अफगान दूतावास ने बुधवार को चेतावनी दी कि पाकिस्तान सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकालना चाहता है और उनका निष्कासन जल्द होने की आशंका है। दूतावास ने पाकिस्तान की योजनाओं के बारे में कड़े शब्दों में बयान जारी करते हुए कहा कि राजधानी इस्लामाबाद और पास के शहर रावलपिंडी में अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया जा रहा है, उनकी तलाशी ली जा रही है और पुलिस उन्हें जुड़वां शहरों को छोड़कर पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाने का आदेश दे रही है। इसमें कहा गया है,''अफगानों को हिरासत में लेने की इस प्रक्रिया के बारे में इस्लामाबाद में अफगानिस्तान के दूतावास को किसी औपचारिक पत्राचार के माध्यम से आधिकारिक तौर पर सूचित नहीं किया गया है। बिना किसी औपचारिक घोषणा के इसे शुरू किया गया है।

पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे लाखों लोगों के अलावा, लगभग 14.5 लाख अफगान नागरिक शरणार्थी के रूप में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) में पंजीकृत हैं। इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास ने बुधवार को एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पाकिस्तान जल्द ही सभी अफगान शरणार्थियों को देश से निकाल सकता है । दूतावास के अनुसार, राजधानी इस्लामाबाद और पास के शहर रावलपिंडी में अफगान नागरिकों की गिरफ्तारियां और तलाशी अभियान तेज कर दिए गए हैं। अफगान दूतावास के बयान में कहा गया कि पुलिस अफगान नागरिकों को हिरासत में लेकर उन्हें इस्लामाबाद और रावलपिंडी छोड़कर पाकिस्तान के अन्य इलाकों में जाने का आदेश दे रही है । इसके अलावा, दूतावास का कहना है कि पाकिस्तान सरकार ने इस निष्कासन प्रक्रिया की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है और न ही इस बारे में कोई औपचारिक सूचना भेजी गई है ।

पाकिस्तान में लगभग 14.5 लाख अफगान शरणार्थी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (ह्व।ष्टक्र) में पंजीकृत हैं। इसके अलावा, लाखों अफगान नागरिक बिना कानूनी दस्तावेजों के पाकिस्तान में रह रहे हैं जिन्हें अब देश से बाहर निकाले जाने की संभावना बढ़ गई है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। पिछले साल भी पाकिस्तान ने अवैध रूप से रह रहे अफगानों को देश छोड़ने के लिए अल्टीमेटम दिया था जिसके बाद हजारों शरणार्थी अफगानिस्तान लौटने पर मजबूर हुए थे। तालिबान सरकार ने पहले भी पाकिस्तान की इस नीति का विरोध किया था और इसे अफगान शरणार्थियों के मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया था । अफगान दूतावास ने भी पाकिस्तान से इस प्रक्रिया को रोकने और शरणार्थियों को सुरक्षित माहौल देने की अपील की है ।

अज्ञात बंदूकधारियों ने बस पर चलाई अंधाधुंध गोलियां

पंजाब प्रांत के 7 लोगों की दर्दनाक मौत

इस्लामाबाद. पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बुधवार को एक दर्दनाक घटना घटी, जब अज्ञात बंदूकधारियों ने एक बस में सवार सात यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब बस प्रांतीय राजधानी क्वेटा से पंजाब प्रांत जा रही थी और बरखान क्षेत्र से गुजर रही थी। बंदूकधारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवरोधक लगाकर बस को रोका, फिर यात्रियों के पहचान पत्र की जांच की और सात लोगों को जबरन पास की पहाड़ी पर ले जाकर गोली मार दी। इसके बाद गोलियों की आवाज सुनाई दी।

जिनकी मौत हुई, सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन सात लोगों की हत्या की गई, वे सभी पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और लाहौर जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके में पहुंचकर तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन फिलहाल हत्यारों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी भी समूह ने नहीं ली है, लेकिन बलूचिस्तान में जातीय बलूच आतंकवादी समूह अक्सर पंजाब के लोगों को निशाना बनाते रहते हैं।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की हमले की निंदा

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस हमले की कड़ी निंदा की है। जरदारी ने इसे कायरतापूर्ण और जघन्य कृत्य बताया और कहा कि आतंकवादी शांति और मानवता के दुश्मन हैं। वहीं, प्रधानमंत्री शरीफ ने कहा कि बेगुनाह नागरिकों की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी और सरकार तथा सुरक्षाबल आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की और अपराधियों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया।

फिलीपीन के गांव ने जिंदा या मुर्दा मच्छर लाने पर किया ईनाम का ऐलान

इंटरनेशनल डेस्कः फिलीपीन के राजधानी क्षेत्र मनीला के गांव ने डेंगू से निपटने के लिए अनोखा तरीका अख्तियार किया है जिसके तहत मच्छर को जिंदा या मुर्दा लाने पर इनाम दिया जाएगा। यह तरीका मांडलुयोंग शहर के एडिशन हिल्स गांव ने अपनाया है। दरअसल पास के शहर क्यूज़ोन में सप्ताहांत में मच्छर जनित बीमारी के प्रकोप की घोषणा के बाद चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष एक फरवरी तक फिलीपीन में डेंगू के कम से कम 28,234 मामले दर्ज किए गए हैं जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 40 फीसदी अधिक हैं।

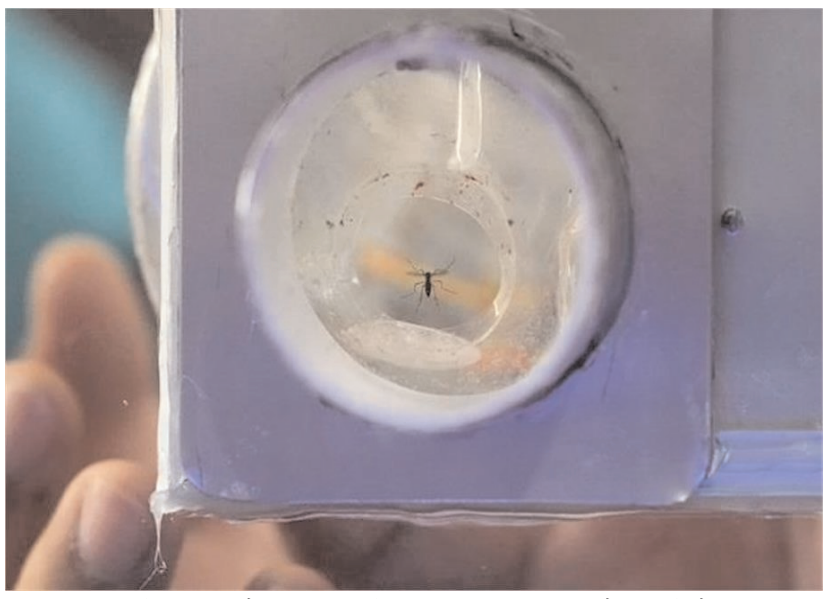

क्यूज़ोन शहर ने मृतकों की संख्या 10 पहुंचने के बाद शनिवार को डेंगू के प्रकोप की घोषणा कर दी। शहर में 1750 से ज्यादा लोग डेंगू से पीड़ित हैं जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं। एक लाख से अधिक आबादी वाले शहरी गांव एडिशन हिल्स ने डेंगू से निपटने के लिए सफाई अभियान शुरू किया है जिसके तहत नहरों आदि की सफाई की जा रही है। लेकिन जब इस वर्ष मामले बढ़कर 42 हो गए और दो छात्रों की मृत्यु हो गई, तो गांव के प्रधान कार्लिटो सेर्नल ने लड़ाई तेज करने का फैसला किया। सेर्नल ने बताया कि निवासियों को प्रत्येक पांच मच्छर या मच्छर के लार्वा के बदले एक फिलीपींस पेसो (करीब डेढ़ रुपये) का इनाम मिलेगा।

छात्रा आत्महत्या मामला

नेपाल सरकार की धमकी- भारत जाने वाले छात्रों को नहीं देगा NOC

इंटरनेशनल डेस्कः ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी में बीटेक (कंप्यूटर साइंस) थर्ड ईयर की नेपाली छात्रा प्रकृति लमसल (20) की संदिग्ध आत्महत्या ने गंभीर विवाद खड़ा कर दिया है। 16 फरवरी को उसका शव उसके हॉस्टल के कमरे में बरामद हुआ, जिसके बाद चढ्ढढ्ढञ्ज परिसर में तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटना ने न केवल भारत बल्कि नेपाल में भी गुस्से की लहर पैदा कर दी है। नेपाल सरकार ने इस मुद्दे को लेकर तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि वह भविष्य में ओडिशा के किसी भी विश्वविद्यालय या शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने के लिए अपने छात्रों को अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी करने पर विचार कर सकती है।

शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस मामले से उत्पन्न समस्याओं के समाधान के लिए एक हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है और इसके माध्यम से वह भारतीय सरकार से लगातार संपर्क में है। नेपाल के शिक्षा मंत्रालय ने बयान में कहा, हम चाहते हैं कि KIIT में पढ़ाई करने वाले नेपाली छात्रों को एक सुरक्षित और अनुकूल माहौल मिले, ताकि उनकी शिक्षा जारी रह सके। हम विदेश मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार के साथ इस मुद्दे पर समन्वय कर रहे हैं इस मामले ने नेपाल की संसद में भी उबाल मचाया, जहां सांसदों ने KIIT प्रशासन और भारतीय अधिकारियों से इस मामले की गहन जांच की मांग की। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने भी ट्वीट करके नेपाली छात्रों से अपील की कि वे सुरक्षित रहें और जरूरत पड़ने पर वापस घर लौट आएं।

विरोध प्रदर्शन तब और बढ़ गए जब कुछ कर्मचारियों का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने अपमानजनक बयान दिए थे, जिससे छात्र समुदाय में और आक्रोश पैदा हुआ। चढ्ढढ्ढञ्ज प्रशासन ने इन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया और आधिकारिक रूप से माफी मांगी। अब तक इस मामले में कुल 6 लोग गिरफ्तार किए गए हैं, जिनमें छात्रा का एक साथी छात्र, चढ्ढढ्ढञ्ज के तीन निदेशक और दो सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। ओडिशा सरकार ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के लिए एक समिति गठित की है। नेपाल सरकार की कड़ी प्रतिक्रिया ने इस घटना को एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दे में बदल दिया है, और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।

30 साल पुरानी तस्वीर में रेखा गुप्ता और अलका लांबा की ऐतिहासिक साझेदारी

इंटरनेशनल डेस्कः नेशनल डेस्क- दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी रामलीला मैदान में पूरी हो चुकी है, जहां जल्द ही वह दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाली हैं। इस मौके पर रेखा गुप्ता की एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह तस्वीर 30 साल पुरानी है, जब वह और कांग्रेस नेता अलका लांबा दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (ष्ठस्) के पदाधिकारी के रूप में एक साथ शपथ ले रही थीं।

यह तस्वीर कांग्रेस नेता अलका लांबा ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर शेयर की, जिसमें उन्होंने कैप्शन में लिखा, 1995 की यह यादगार तस्वीर—जब मैंने और रेखा गुप्ता ने एक साथ शपथ ग्रहण की थी। मैंने ह्रस्ढ्ढ से ष्ठस् अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी, जबकि रेखा गुप्ता ने ABVP से महासचिव पद पर जीत प्राप्त की थी। रेखा गुप्ता को बधाई और शुभकामनाएं। दिल्ली को चौथी महिला मुख्यमंत्री मिलने पर बधाई। हम दिल्ली वाले उम्मीद करते हैं कि मां यमुना स्वच्छ होगी और बेटियां सुरक्षित रहेंगी।

छात्र राजनीति में दिलाया एक महत्वपूर्ण स्थान

रेखा गुप्ता ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत 1995 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (ष्ठस्) से की थी। शैक्षिक सत्र 1995-96 में वह ष्ठस् के महासचिव पद पर चुनाव जीतकर सक्रिय राजनीति में आईं। वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी हुई थीं और छात्र राजनीति में उनका योगदान काबिलेतारीफ रहा। रेखा गुप्ता की नेतृत्व क्षमता और उनके काम करने के तरीके ने उन्हें छात्र राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया। रेखा गुप्ता ने हमेशा जमीनी स्तर पर काम करने को प्राथमिकता दी। उन्होंने छात्र राजनीति के दौरान ही अपने नेतृत्व और संघर्ष की मिसाल पेश की। एक समय में दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रसंघ में ABVP और NSUI के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी, लेकिन रेखा ने अपनी मेहनत और संगठन की ताकत से इस संघर्ष को हराया।

राजनीति में असफलताओं के बावजूद संघर्ष रखा जारी

रेखा गुप्ता को अपनी राजनीतिक यात्रा में कई बार असफलता का सामना भी करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। छात्र राजनीति में कई बार उन्हें चुनौती मिली, लेकिन उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता ने उन्हें हमेशा आगे बढ़ने का हौंसला दिया। उन्होंने हार के बाद भी कभी अपने सपनों को छोड़ने की बजाय उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया।

नगर निगम में शिक्षा समिति की अध्यक्ष के रूप में सुधार की पहल रेखा गुप्ता को भाजपा ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री के तौर पर चुना है। इससे पहले, वह दिल्ली नगर निगम में शिक्षा समिति की अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी हैं, जहाँ उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया था। जब वह उत्तरी नगर निगम की शिक्षा समिति की अध्यक्ष थीं, तब निगम की वित्तीय स्थिति कमजोर थी, फिर भी उन्होंने अपनी सूझबूझ और नेतृत्व से स्कूलों में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। 2012 में जब रेखा गुप्ता शिक्षा समिति की अध्यक्ष बनीं, तब दिल्ली में तीन नगर निगम हुआ करते थे। इस समय, दक्षिणी नगर निगम को आर्थिक रूप से मजबूत माना जाता था, जबकि उत्तरी नगर निगम काफी कमजोर था। रेखा गुप्ता ने इस कठिन स्थिति में कम पैसों के साथ बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए योजनाओं की शुरुआत की और उन्हें लागू भी किया। उनकी कोशिशों से नगर निगम के स्कूलों की स्थिति में बदलाव आया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569